@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 28 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 173 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने गंगटोक में किया रोड शो

•आज देंगे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी

गंगटोक। दो दिवसीय यात्रा पर सिक्किम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को गंगटोक में विशाल रोड शो किया। पीएम राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे हैं। पीएम मंगलवार को राज्य को 4,000 करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाओं की सौगात देंगे। लेपचा कोट पहने पीएम मोदी का लिबिंग सैन्य हैलिपैड पहुंचने पर राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। हेलिपैड से शुरू हुआ रोडशो लोक भवन पर खत्म हुआ। पीएम रात में यहीं रुकेंगे।

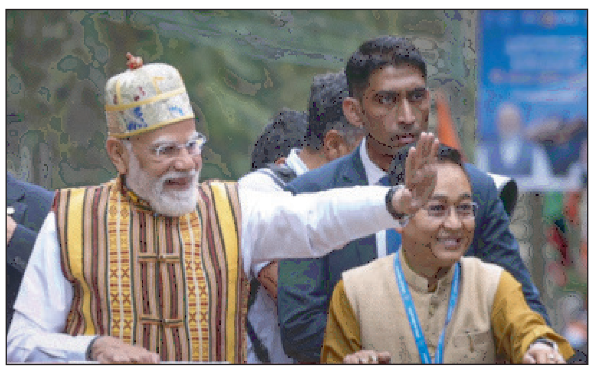

खुली गाड़ी में पीएम मोदी के बाईं ओर सीएम तमांग और दाईं ओर राज्य भाजपा अध्यक्ष डी.आर. थापा मौजूद थे।

गांजू द्वार से लोक भवन तक के रास्ते पर लोग पारंपरिक परिधान में नजर आए। लोग राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए प्रधानमंत्री की एक झलक पाने का इंतजार कर रहे थे। लोगों ने हाथ हिलाकर तथा नारे लगाकर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया। पीएम ने भी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

●पीएम मोदी ने मंगलवार को पालजोर स्टेडियम में समापन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान वह राज्य में चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

इन परियोजनाओं में बुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री की इस यात्रा को राजनीतिक और विकास दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन हुआ

●अब सभी एक्सपोर्ट पर ड्यूटी जीरो हुई ●5000 भारतीयों को वर्किंग वीजा मिलेगा

एजेसी

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार (27 अप्रैल) को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) साइन हो गया है। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया। वहीं मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत बताया है। पीयूष गोयल ने कहा कि यह FTA विश्वास, साझा मूल्यों और टिकाऊ आर्थिक विकास के साझा विजन को दर्शाता है। यह समझौता भारत के लिए ओशिनिया और प्रशांत द्वीपीय बाजारों तक पहुंचने का गेटवे भी बनेगा।

न्यूजीलैंड 15 साल में भारत में 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

●एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है।

●एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये) का निवेश आने की उम्मीद है।

●पीयूष गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय व्यापारियों, विशेषकर आगरा के लेदर एक्सपोर्टर्स के लिए बड़े अवसर खुलेंगे।

●सर्विस सेक्टर में भारत ने IT, शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत AYUSH, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे।
●FTA में एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है। इसके तहत हर साल 5,000 भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स न्यूजीलैंड में 3 साल तक काम कर सकेंगे। इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और एजुकेशन सेक्टर में खासतौर पर मौके होंगे। इसके अलावा भारतीय वाइन और स्पिरिट्स को भी न्यूजीलैंड के बाजार में ड्यूटी फ्री एक्सेस मिलेगा।

●न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70फीसदी टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवीफ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी।

उन्नत डिसिल्टिंग मशीनें पूरे पंजाब में बाढ़ रोकथाम, जान-माल और फसलों की सुरक्षा के लिए अधिक लाभदायक सिद्ध होंगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 27 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए पंजाब के बाढ़ रोकथाम और राहत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्नत एम्फीबियस मशीनों (पानी में और जमीन पर चलने वाली मशीनों) की खरीद को मंजूरी दे दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार मानसून सीजन से पहले बाढ़ या भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने और जान-माल की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बाढ़ राहत कार्यों को सुचारू और परेशानी मुक्त तरीके से

चलाने के लिए पंजाब सरकार ने नहरों और नालों (ड्रेनों) की सफाई के लिए एम्फीबियस मशीनें खरीदने की सहमति दे दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये मशीनें बहते पानी में भी काम करने और गहराई तक सफाई करने में सक्षम हैं, जो इन्हें रोकथाम उपायों और आपातकालीन कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगालवासियों के नाम लिखा पत्र: भय बहुत हुआ, अब भरोसा चाहिए

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यवासियों के नाम एक पत्र और एक ऑडियो संदेश जारी किया है। बता दें कि, राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा और इसके नतीजे 4 मई को जारी होंगे। पश्चिम बंगाल के पूरे चुनाव अभियान के दौरान मुझे अपने परिवारजनों का जो अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने एक नई ऊर्जा से भर दिया है। यहां की युवाशक्ति हो या नारीशक्ति, हमारे किसान भाई-बहन हों, श्रमिक या फिर कारोबारी, सभी विकसित बंगाल के लिए संकल्पित हैं। मैंने इस पत्र में उनके प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। पश्चिम बंगाल के पूरे चुनाव अभियान के दौरान मुझे अपने परिवारजनों का जो अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने एक नई ऊर्जा से भर दिया है। यहां की युवाशक्ति हो या नारीशक्ति, हमारे किसान भाई-बहन हों, श्रमिक या फिर कारोबारी, सभी 'विकसित बंगाल' के लिए संकल्पित हैं। पश्चिम बंगाल के मेरे परिवारजनो, लोकतंत्र के महोत्सव में बीजेपी की विजय का ध्वज फहराने का सुनहरा अवसर आपके सामने है। मुझे विश्वास है कि 29 अप्रैल को आप मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएंगे। पीएम मोदी ने बताया कि प्रथम चरण के मतदान ने इतिहास रचा है। उन्होंने बंगाल के लोगों से 29 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने का आह्वान किया। यह लोकतंत्र के मंदिर में विजय की ध्वज फहराने का बेहतरीन अवसर है। उन्होंने सभी के मिलकर बंगाल को विकसित बनाने की बात कही, जिसे उन्होंने %मोदी की गारंटी% बताया। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस बार दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान डाले गए हैं, जिसमें रिकॉर्ड 92.15 फीसदी वोटिंग हुई है।

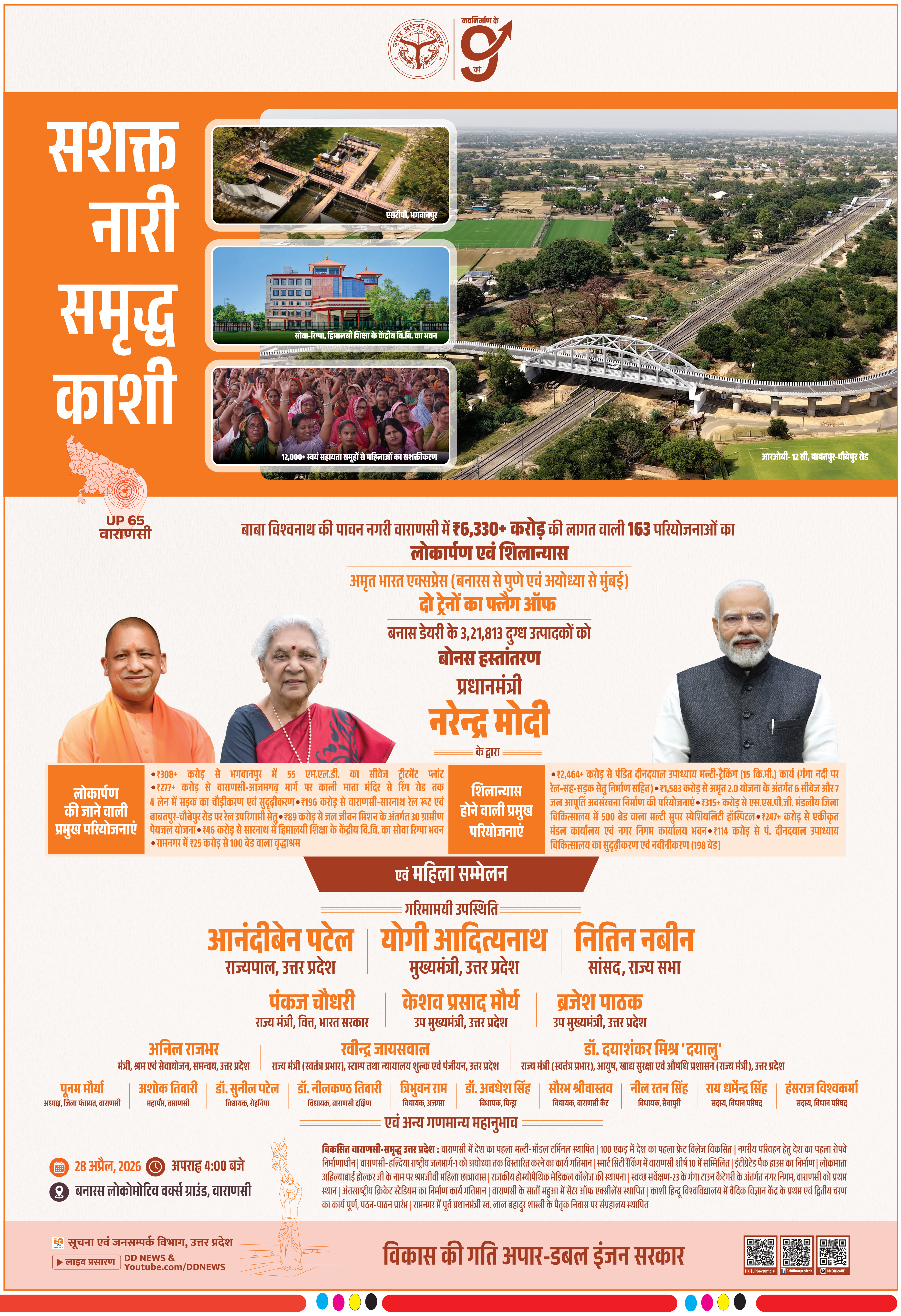

पति ने पत्नी की हत्या कर लकड़ी के बॉक्स में छिपा सीमेंट से कर दिया पैक

-परिवार-पुलिस को किया गुमराह, एक पत्र ने खोला राज, आरोपी फरार

अहमदाबाद (एजेंसी)। सूरत शहर के सलाबतपुरा इलाके में मेरठ में हुए हत्याकांड की तरह एक कांड हुआ जिसमें पत्नी ने नहीं बल्कि पति ने घटना को अंजाम दिया और नीले ड्रम की जगह लकड़ी के बॉक्स में पत्नी की लाश को छुपा दिया। इस हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पति विशाल सालवी ने पत्नी की निर्मम हत्या कर अपराध को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया। उसने 20 अप्रैल को अपनी पत्नी और पेशे से डायटीशियन शिल्पा की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को छिपाने के लिए एक लकड़ी का बॉक्स तैयार किया और उसमें शव रखकर ऊपर से मोटी सीमेंट की परत चढ़ा दी, ताकि बदबू बाहर न आए और किसी को शक न हो। पुलिस के मुताबिक 20 अप्रैल को घरेलू झगड़े में विशाल ने शिल्पा की हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को गोदादरा स्थित अपने घर से सलाबतपुरा के पुराने मकान में ले जाकर पहले मंजिल पर लकड़ी के बक्से में रखा और उस पर सीमेंट डालकर छिपा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने अपराध छिपाने के लिए परिवार और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की उसने रिश्तेदारों को बताया कि वह शिल्पा को एसएमआईएमईआर अस्पताल छोड़कर आया और वह घर नहीं लौटी। उसने पुलिस में मिसिंग रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। शिल्पा के पिता प्रदीप कोस्टा, जो छत्तीसगढ़ से सूरत आए थे, कई बार दोनों के बीच मध्यस्थता कर चुके थे। जब शिल्पा का फोन स्विच ऑफ मिला तो शक बढ़ गया। मामले में सबसे ड्रामेटिक मोड़ शनिवार को आया, जब दंपति के बेटे ने व्हाट्सएप पर एक रिश्तेदार को पत्र भेजा। इस पत्र में विशाल ने खुद कबूल किया कि शुरुआती सालों में वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण था लेकिन लगातार घरेलू कलह ने उसे अपराध करने पर मजबूर कर दिया। पुलिस ने इसी पत्र के आधार पर पुराने मकान की तलाशी ली और शव बरामद किया। शव पांच दिन पुराना होने के कारण काफी सड़ चुका था। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। बता दें शिल्पा सालवी एमएसवी की डिग्रीधारी थीं और सूरत के सरकारी एसएमआईएमईआर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में डाइटिशियन के रूप में काम करती थीं। दंपति की शादी नवंबर 2010 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। इनमें 13 साल का बेटा और 8 साल की बेटी है। विशाल पहले डायमंड इंडस्ट्री में काम करता था, लेकिन पिछले कुछ सालों से बेरोजगार था, जिसके चलते परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। इस घटना ने सूरत में घरेलू हिंसा और मानसिक तनाव को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। शिल्पा एक शिक्षित और कामकाजी महिला थीं, जिनका परिवार अब दो नाबालिग बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है।

तोता जंगली पक्षी, फसल नुकसान पर मुआवजा दे सरकार : हाईकोर्ट

-किसानों को प्रति पेड़ 200 रुपये देने के निर्देश

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तोता जंगली पक्षी की श्रेणी में आता है, इसलिए उसके द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई राज्य सरकार को करनी होगी। यह मामला किसानों की फसलों, खासकर अनार के पेड़ों को हुए नुकसान से जुड़ा था। अदालत ने स्पष्ट किया कि वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत जंगली जीव राज्य की संपत्ति माने जाते हैं, ऐसे में उनके कारण हुए नुकसान की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होती है। कोर्ट ने संबंधित मामले में प्रति पेड़ 200 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। इस फैसले को किसानों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से जंगली पक्षियों और जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब इस निर्णय के बाद किसानों को आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में भीड़ नियंत्रण के लिए सख्ती, कॉर्डन पास होंगे सीमित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर इस वर्ष प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने का निर्णय लिया है। ओडिशा सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए रथों के पास जारी किए जाने वाले कॉर्डन पास की संख्या कम करने का फैसला किया है। ये पास भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के आसपास बनाए गए सुरक्षा घेरे में प्रवेश के लिए दिए जाते हैं। प्रशासन का यह कदम पिछले वर्ष हुई दुखद घटना के मद्देनजर उठाया गया है, जब भारी भीड़ के कारण दबने से तीन श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। अधिकारियों का कहना है कि सीमित पास जारी करने से रथों के आसपास भीड़ कम होगी और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बेहतर तरीके से किए जा सकेंगे। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आज से राष्ट्रपति मुर्मू पांच दिन के हिमाचल दौरे पर, प्रदेश में सुरक्षा इंतेजाम पुख्ता

शिमला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से पांच दिन के हिमाचल प्रदेश दौरे पर रहेंगी। मुर्मू मंगलवार को शिमला के लोक भवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू अटल सुरंग जाएंगी। वह गुरुवार को पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अगले महीने की पहली तारीख को अपनी यात्रा के अंतिम दिन शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान का भी दौरा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार हिमाचल प्रदेश के छह दिन के दौरे पर शिमला पहुंची। वह शिमला से करीब 13 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति भवन रिट्रीट में ठहरेंगी। शिमला पुलिस ने राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शिमला शहर से लेकर छराबड़ा तक 1000 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए दो दिन से शिमला में रिहर्सल भी की जा रही थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अगले छह दिन हिमाचल में ही रुकेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर विश्वविद्यालय जाएंगी। 28 अप्रैल की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी।

लू का अंत, तूफान की दस्तक: देशभर में बदलेगा मौसम, 9 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से अब राहत मिलने की उम्मीद है। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने के बाद, मौसम विभाग ने आगामी 12 घंटों में तेजी से बदलाव की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, हवा के रुख में बदलाव और बढ़ती नमी के कारण अगले कुछ दिनों में आंधी, बारिश और तूफान का दौर शुरू होगा। यह मौसमी बदलाव जहां एक ओर तपिश से राहत दिलाएगा, वहीं दूसरी ओर इसके साथ कुछ प्राकृतिक चुनौतियां भी आ सकती हैं, जिनके प्रति लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

भूमध्य सागर से आने वाले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) अब उत्तर भारत में सक्रिय हो चुके हैं। ये मौसमी प्रणालियाँ आमतौर पर गर्मी की लंबी लहरों को तोड़ने में सहायक होती हैं। 27 अप्रैल की शाम से ही इन विक्षोभों का असर दिखना शुरू हो जाएगा और 28 से 30 अप्रैल के बीच इनका प्रभाव और अधिक तीव्र होगा। इस दौरान देश के कई हिस्सों में तेज गर्जना के साथ बारिश, बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। हालांकि यह बदलाव गर्मी से राहत देगा, लेकिन तेज हवाएं, ओले और बिजली गिरने की घटनाएं फसलों और जनजीवन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के ऊपर बन रहे साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी निचले क्षोभमंडल में नमी को बढ़ा रहे हैं, जिससे इन गतिविधियों को बल मिल रहा है। यह पैटर्न प्री-मानसून गतिविधियों का भी संकेत दे रहा है।

दिल्ली-एनसीआर का हाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौसम का मिजाज दो चरणों में बदलेगा। दिन के समय भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा, अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। लेकिन शाम होते-होते आसमान में बादल छा जाएंगे और कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। गरज-चमक के साथ 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है। लोगों को शाम के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

उत्तर प्रदेश और बिहार बदलेगा मौसम

उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल से मौसम पूरी तरह बदलने के संकेत हैं। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे बड़े शहरों में आंधी और बारिश की संभावना है। हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेड़ गिरने का खतरा रहेगा। तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन आकाशीय बिजली का खतरा बना रहेगा। बिहार में भी दोहरी स्थिति देखने को मिलेगी, कुछ हिस्सों में लू जारी रहेगी, जबकि पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी जैसे जिलों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में हल्की बारिश

राजस्थान में 27 से 29 अप्रैल के बीच हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में लू का असर बना रह सकता है। मध्य प्रदेश में भी इसी अवधि में भोपाल, इंदौर और जबलपुर सहित कई शहरों में आंधी और बारिश का अलर्ट है, जहां गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।

पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों का मौसम

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड

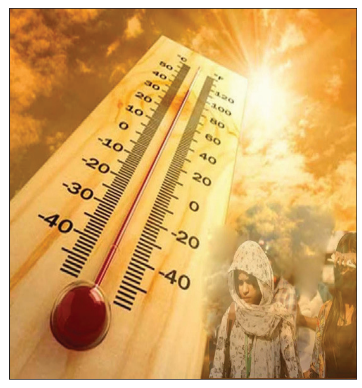

में तेज बारिश, हवाओं और गरज-चमक के साथ बर्फबारी की भी संभावना है, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में। इससे भूस्खलन और यात्रा में बाधा आ सकती है। पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति और बिजली बाधित होने की आशंका है। दक्षिण भारत में भी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश की उम्मीद है। लोगों को मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान देने और सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है।

राघव चड्ढा बोले- पार्टी बन गई 'टॉक्सिक', भाजपा में शामिल होने के बाद आप पर हमलावर हुए

चंडीगढ़, (एजेंसी)। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। राज्यसभा सांसद चड्ढा ने अपने पहले वीडियो संदेश में आप को ऽटॉक्सिक वर्क एन्वॉयरमेंटऽ वाली पार्टी बताते हुए आरोप लगाया कि अब यह चंद भ्रष्ट और समझौता करने वाले लोगों के हाथों में सिमट गई है। आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी में काम करने और अपनी बात रखने की स्वतंत्रता नहीं रह गई थी।

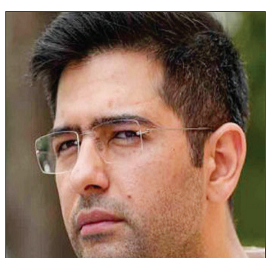

उनके अनुसार, कुछ लोग व्यक्तिगत फायदे के लिए फैसले ले रहे हैं, जिससे पार्टी अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं, लेकिन अब आप वैसी नहीं रही, जैसी इसे शुरू किया गया था। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कुल सात सांसदों ने पार्टी छोड़ी है, तो क्या सभी गलत हो सकते हैं। चड्ढा ने कहा कि उनके सामने तीन विकल्प थे, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने पार्टी छोड़ना ही उचित समझा। इस बीच सोमवार को राज्यसभा ने आप के सात सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, विक्रमजीत साहनी, हरभजन सिंह, डॉ. संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता अब आधिकारिक रूप से भाजपा के सांसद बन गए हैं। इस घटनाक्रम के बाद राज्यसभा में भाजपा की ताकत बढ़कर 113 सांसदों तक पहुंच गई है, जो संसद के उच्च सदन में पार्टी की स्थिति को और मजबूत करता है।

ट्रंप पर हमले की कोशिश पर भारत में सियासी उबाल, कांग्रेस विधायक ने कहा- ये तो होना ही था

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित व्हाइट हाउस संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुई गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर को चौंका दिया है। इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के बीच भारत में महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार के एक विवादित बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। वडेट्टीवार ने ट्रंप पर हुए हमले को जैसी करनी वैसी भरनी करार देते हुए कहा कि उन पर गोलियां चलनी ही थीं।

कांग्रेस विधायक ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि ट्रंप दुनिया में अपना दबदबा बनाना चाहते थे और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने भारत की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि यहां भी लोगों की भावनाएं कुछ ऐसी ही हैं। वडेट्टीवार के मुताबिक, चूंकि भारत में लोग अभी बाहर नहीं आ रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब ठीक है, लेकिन जनता के मन में यह भावना घर कर गई है कि देश को तबाह किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन घटना की निंदा करते हुए यह भी जोड़ दिया कि उच्च पद पर बैठे व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था।

उधर, अमेरिका में हुई इस घटना के विस्तृत ब्योरे सामने आए हैं। शनिवार रात करीब 8~34 बजे जब वॉशिंगटन हिल्टन में मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था, तभी अचानक गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। उस वक्त ट्रंप एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग और मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन के साथ बातचीत कर रहे थे। स्थिति भांपते ही खुफिया सेवा (सीक्रेट सर्विस) के जवानों ने तुरंत सुरक्षा घेरा बनाया और राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने कैलिफोर्निया के एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि एलन ट्रेन से कैलिफोर्निया से वॉशिंगटन आया था और समारोह वाले होटल में ही ठहरा था। ट्रंप ने कहा कि आरोपी प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था और उसके परिवार ने पहले ही सुरक्षा एजेंसियों को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचित किया था। आरोपी को सोमवार को अमेरिकी न्याय विभाग के समक्ष आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता पर नहीं रहा केजरीवाल को भरोसा कहा- अब सत्याग्रह के मार्ग पर चलूंगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को एक बेहद भावुक और कड़ा पत्र लिखकर न्यायिक प्रक्रिया से खुद को अलग करने का ऐलान किया है। केजरीवाल ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से अब उन्हें न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं बची है, इसलिए उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया है।

केजरीवाल ने अपने पत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वह अब इस मामले में न तो व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष पेश होंगे और न ही अपने वकीलों के माध्यम से कोई पेशी कराएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह अदालत की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनेंगे, लेकिन जस्टिस स्वर्ण कांता के किसी भी फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने का अपना कानूनी अधिकार सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा अवश्य खटखटाएंगे।

बता दें कि बीते 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत ने आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के न्यायाधीश पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, और न्यायाधीश किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं। इससे पहले, केजरीवाल ने अदालत में स्वयं जिरह करते हुए न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि न्यायाधीश कथित तौर पर एक विशेष विचारधारा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल रही हैं, जिससे उन्हें डर है कि उनके साथ निष्पक्ष न्याय नहीं होगा। इसके अलावा, अदालत ने केजरीवाल की जिरह से जुड़े एक वायरल वीडियो को भी सोशल मीडिया से तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में केजरीवाल के साथ-साथ कुछ अन्य नेताओं और पत्रकारों के खिलाफ भी जनहित याचिका दायर की गई थी, जिस पर हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। केजरीवाल के इस सत्याग्रह वाले फैसले ने अब कानूनी और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

मायावती ने तीन बड़े नेताओं को पार्टी से निकाला, बसपा में मची हलचल

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती के एक फैसले से पार्टी में उथल-पुथल मची दी है। मायावती ने पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ऐसे में जब फरवरी 2027 में चुनाव होने है मायावती के इस फैसले से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में असंतोष है। मायावती ने जिन तीन नेताओं को पार्टी से बाहर किया है, उनका पश्चिम यूपी में अच्छा दबदबा है। जानकारों का कहना है कि इस फैसले से विशेष रूप से पश्चिमी यूपी में बसपा की पकड़ कमजोर हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मायावती ने जिन तीन नेताओं को बाहर किया है, उसमें धर्मवीर अशोक, जयप्रकाश और सरफराज रैन शामिल हैं। धर्मवीर अशोक बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम के करीबी साथियों में गिने जाते थे। मायावती ने उन्हें कई राज्यों में जिम्मेदारी दी थी। पश्चिमी यूपी सहित कई इलाकों में उनकी अच्छी पकड़ और लोकप्रियता थी। कहा जा रहा है कि उनका अचानक पार्टी से निकाला जाना कार्यकर्ताओं को रास नहीं आ रहा है। उसी तरह जयप्रकाश काफी समय बाद बसपा में वापस लौटे थे और पश्चिमी यूपी में युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे थे। एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी को पश्चिमी यूपी के मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने से जुड़े विवाद के चलते उन पर कार्रवाई हुई। वहीं सरफराज रैन भी टिकट वितरण और संगठन से जुड़े कामों में सक्रिय थे। इन तीनों नेताओं की बर्खास्तगी से पार्टी की चुनावी तैयारियों पर असर डाल सकती है।

सात सांसदों के आने से बढ़ेगी राज्यसभा में एनडीए की ताकत, लेकिन संवैधानिक संशोधनों के लिए अभी भी संख्या कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद विपक्ष के लिए मुश्किलें खड़ी होती नजर आ रही हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक के नेतृत्व में इन सांसदों ने अयोग्यता का सामना किए बिना बीजेपी में विलय के लिए आवश्यक जादुई दो-तिहाई बहुमत पा लिया। इस बीच अब इस उलटफेर से राज्यसभा में एनडीए और बीजेपी का समीकरण मजबूत होता दिख रहा है।

बड़े पैमाने पर सांसदों के इस्तीफे से पहले, राज्यसभा में भाजपा की संख्या करीब 106 थी, जबकि एनडीए के पास करीब 121 सदस्य थे। राघव चड्ढा, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी और राजेंद्र गुप्ता सहित आप सेवन के शामिल होने से भाजपा की व्यक्तिगत संख्या बढ़कर 113 हो गई है। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि एनडीए की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। 243 सदस्यों वाली सदन में बहुमत के लिए 122 सीटों की जरुरत है। 128 सीटों के साथ एनडीए को साधारण बहुमत आसानी से मिल जाएगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है; कांग्रेस के एकदलीय

वर्चस्व के युग के बाद पहली बार सत्ताधारी गठबंधन को विवादास्पद सामान्य कानूनों को पारित करने के लिए तटस्थ क्षेत्रीय दलों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि साधारण बहुमत रोजमर्रा के शासन के लिए बड़ी जीत है, लेकिन भारतीय संसदीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत है। 245 सदस्यों वाले पूर्ण सदन के लिए, यह अति-बहुमत 164 वोटों का है। आम आदमी पार्टी के सांसदों के दल-बदल से मिली अप्रत्याशित जीत के बावजूद, एनडीए को इस लक्ष्य से 36 सीटें कम रहेगी। इस अंतर का अर्थ यह है कि जहां सरकार अब सामान्य विधेयकों को आसानी से पारित कर सकती है, वहीं एक राष्ट्र, एक चुनाव ढांचा या परिसीमन प्रक्रिया में औपचारिक बदलाव जैसे बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों के लिए भाजपा को अभी भी गुटनिरपेक्ष दलों के साथ संबंध सुधारने होगा या भविष्य के द्विवार्षिक चुनावों का इंतजार करना होगा।

आंध्र प्रदेश में ईंधन संकट को लेकर मुख्यमंत्री नायडू ने की समीक्षा बैठक

-अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी से बढ़ी मांग, स्थिति चिंताजनक

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हाल के दिनों में ईंधन की भारी मांग और अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी के चलते राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे स्थिति चिंताजनक बन गई है। अधिकारियों के अनुसार, ईंधन की आपूर्ति में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, लेकिन इसके बावजूद अचानक बढ़ी मांग के कारण बिक्री में असामान्य उछाल दर्ज किया गया है। इस वजह से कई बिक्री केंद्रों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है और कुछ पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अफवाहों और संभावित कमी

की आशंका के चलते लोग बड़ी मात्रा में ईंधन खरीद रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त कदम उठाए जाएं और आम जनता में किसी भी प्रकार की घबराहट न फैलने दी जाए।

मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में आई कठिनाई

समीक्षा के दौरान मत्स्य पालन क्षेत्र में ईंधन आपूर्ति को लेकर भी विशेष चिंता जताई गई। इस क्षेत्र में डीजल की खपत अधिक होती है और आमतौर पर इसे ड्रमों में खरीदा जाता है। वर्तमान स्थिति के कारण मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है।

ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री नायडू ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे मत्स्य पालन और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम जनता और प्रमुख क्षेत्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

क्या पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर विचार कर रही भारत सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अगस्त 2024 से भारत में शरण ली हुई है, जब बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के चलते उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद बांग्लादेश और भारत के रिश्ते तनावपूर्ण हुए, जिसकी एक अहम वजह शेख हसीना थी। बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की, लेकिन दिल्ली ने उस मांग को अनसुना कर दिया। बांग्लादेश में इस साल तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार बनने के बाद भारत ने 17 अप्रैल को माना है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर विचार हो रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध की समीक्षा करने पर भारत की सहमति लचीलेपन का संकेत दे रही है। जानकारों का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि नई दिल्ली ने शेख हसीना को ढाका को सौंपने की तैयारी कर ली है। हालांकि यह घोषणा भारत के पहले के टालमटोल वाले रवैये से बड़ा बदलाव है। इसमें दिल्ली की ढाका से बेहतर रिश्ते की कोशिश दिखती है।

जानकार कहते हैं, भारत का शेख हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध की समीक्षा अभी केवल प्रक्रियात्मक भाषा है। सरकारें अक्सर बिना पक्का वादा किए अपनी खुलेपन की भावना को दिखाने के लिए भाषा का इस्तेमाल करती हैं। यह लचीला रुख दिखाता है लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भारत उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। एक अन्य जानकार ने कहा कि हसीना का प्रत्यर्पण कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक मुद्दा है। इसलिए इस द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाना चाहिए। भारत ने यह संकेत दिया है कि वह दोनों देशों के बीच मौजूद कुछ राजनीतिक मुद्दों को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहता है।

बांग्लादेश प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 के तहत भारत को औपचारिक अनुरोध भेजेगा। दिल्ली के इस अनुरोध की समीक्षा करने के बाद अदालत यह जांच करेगी कि क्या इस मामले में कोई वैध कानूनी आधार है। हसीना अदालत में इस अनुरोध को चुनौती भी दे सकती हैं। भारत का लंबे समय का लक्ष्य हसीना की अवामी लीग को फिर से मजबूत करना था और इस कोशिश में पार्टी की नेता ने अहम भूमिका निभाई। हसीना को ढाका के हवाले कर दिया जाता है, तब इसका सीधा मतलब अवामी लीग का खात्मा होगा। हसीना दिल्ली के लिए एक रणनीतिक संपत्ति बनी रह सकती हैं। हसीनी खासतौर से तब भारत के लिए अहम होंगी, जब बीएनपी सरकार के भारत-विरोधी रवैया अपनाने की कोशिश करेगी। शेख हसीना 1981 से अवामी लीग की अध्यक्ष रही हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2009 से लेकर 2024 में उन्हें सत्ता से हटाए जाने तक लगातार शासन किया।

गुजरात में जमीन वापस लेने की कार्रवाई पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश देते हुए विवादित जमीन मामले में 4 मई तक यथास्थिति बनाए रखने को कहा है। यह मामला स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के अहमदाबाद स्थित आश्रम की जमीन से जुड़ा है, जिसे गुजरात सरकार 2030 राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारी के लिए लेना चाहती है। करीब 45,000 वर्ग मीटर जमीन, जहां यह आश्रम बना हुआ है, अहमदाबाद के मोटेरा इलाके में नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास स्थित है। सरकार इस जमीन पर सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना पर काम कर रही है। इस मामले में संत श्री आसाराम ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ट्रस्ट ने गुजरात उच्च न्यायालयके 17 अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हाई कोर्ट ने सरकार द्वारा जमीन वापस लेने के फैसले को सही ठहराया था। सरकार का आरोप है कि ट्रस्ट ने जमीन की लीज की शर्तों का उल्लंघन किया और आसपास की सरकारी जमीन पर भी कब्जा किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता शामिल हैं, ने पहली नजर में कहा कि ऐसा लगता है कि ट्रस्ट को सही तरीके से नोटिस नहीं दिया गया था। कोर्ट ने गुजरात सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस जमीन से जुड़े सभी दस्तावेज तीन दिन के भीतर पेश करे, जबकि ट्रस्ट को भी जवाब देने के लिए समय दिया गया है। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आश्रम की तरफ से कई उल्लंघन हुए हैं और बिना अनुमति के 30 से ज्यादा इमारतें बनाई गई हैं। वहीं ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि जमीन आश्रम, सामाजिक कार्यों और स्कूल के लिए दी गई थी और किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं हुआ है। कोर्ट ने साफ किया कि अगली सुनवाई (4 मई) तक जमीन पर कोई भी तोड़फोड़ या जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि सरकार की ओर से यह भरोसा भी दिया गया कि तब तक एक भी ईंट नहीं हटाई जाएगी। गौरतलब है कि आसाराम इस समय मेडिकल आधार पर जमानत पर हैं, जबकि उन्हें नाबालिग से दुष्कर्म समेत कई मामलों में उम्रकैद की सजा मिल चुकी है। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई 4 मई को होगी, जहां कोर्ट तय करेगा कि जमीन पर सरकार का दावा सही है या ट्रस्ट का।

सर्व ब्राह्मण महासभा की वार्षिक बैठक में ब्राह्मणों को एक मंच पर लाने का हुआ आह्वान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। सर्व ब्राह्मण महासभा राष्ट्र स्तरीय की वार्षिक अहम बैठक हरिद्वार के कनखल स्थित श्री कृष्ण निवास आश्रम में 26 अप्रैल 2026 को हुई । जिसमें देश के समस्त ब्राह्मणों को एक मंच पर लाने का आह्वान करने के साथ साथ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय टीम का नए सिरे से चयन हुआ । इस मौके पर यूजीसी के मुद्दे पर भी जबरदस्त चिंतन हुआ । बैठक का आयोजन महासभा के उत्तराखंड संयोजक तुषार कौशिक एवं उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु कौशिक जी व उनकी टीम के संयोजन में हुआ। महासभा की वार्षिक अहम बैठक में दिल्ली निवासी देश के वरिष्ठ अधिवक्ता जे पी शर्मा जी को पुनः सर्व सम्मति से महासभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया । बैठक में महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अलावा दिल्ली , उत्तर प्रदेश , मध्य प्रदेश , उत्तराखंड , राजस्थान , गुजरात , झारखंड, चंडीगढ़ , मध्य प्रदेश व बिहार सहित कई अन्य राज्यों के महासभा पदाधिकारी और ब्राह्मण समाज के प्रतिष्ठित लोग भारी तादाद में उपस्थित रहे । बैठक का शुभारंभ भगवान परशुराम की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । बैठक की अध्यक्षता जहां महासभा के मुख्य सलाहकार एवं सेवानिवृत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अजय शर्मा जी द्वारा की गई वहीं बतौर मुख्य अतिथि हरिद्वार की गंगा महासभा के महामंत्री एडवोकेट तन्मय वशिष्ठ उपस्थित रहे। इस बैठक में डा संदीप शर्मा को राष्ट्रीय महामंत्री व रमेश जेटली को पुनः राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष का दायित्व भी सौंपा गया । इसी दौरान भूपेंद्र कौशिक को केंद्रीय महामंत्री व तुषार कौशिक को राष्ट्रीय मंत्री

बनाए जाने की भी घोषणा हुई । जे पी शर्मा जी को सर्वसम्मति से पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने का प्रस्ताव महासभा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एडश्व अनिल शर्मा व अखिलेश गौड़ द्वारा रक्खा गया । जिसका बैठक में उपस्थित सभी राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनि से अनुमोदन किया गया । बैठक का मंच संचालन राष्ट्रीय महामंत्री डॉ संदीप शर्मा द्वारा किया गया । सर्व ब्राह्मण महासभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद जे पी शर्मा ने देश के सभी ब्राह्मणों को एक मंच पर लाने का आह्वान किया व कार्यकर्ताओं से चौबीस घंटे अपने भाइयों की मदद के लिए तैयार रहने को कहा गया । उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि सर्व ब्राह्मण महासभा केवल एक संगठन ही नहीं बल्कि एक राष्ट्र शक्ति है । हमें इसे एकजुट होकर बुलंदियों पर ले जाना है। उन्होंने यूजीसी विधेयक को रद्द होने तक लड़ाई जारी रखने का भी ऐलान किया। सर्व ब्राह्मण महासभा की महत्वपूर्ण बैठक में हरि नारायण शर्मा, ऊषा शर्मा ,पूनम शुक्ला , आस्था शर्मा , जय जोशी , वेद प्रकाश शर्मा , ब्रह्म प्रकाश शर्मा ,अरुण शर्मा , प्रदीप शर्मा व सुभाष तिवारी ,प०अ अजय भारद्वाज (कालका पीठ दिल्ली के महंत) , राजरानी शर्मा , बिमला शर्मा , राजेश शर्मा , राकेश शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दो स्मारिका व पंचांग का विमोचन करने के साथ साथ प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित भी किया गया । इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हरिद्वार गंगा महासभा के महासचिव तन्मय वशिष्ठ आवरण और आचरण से ब्राह्मण होना ही उसकी सार्थकता को परिलक्षित करता है इसलिए सबसे पहले अपने बच्चों को ब्राह्मण की संतान के रूप में विकसित करने का प्रयास करे ।

31 साल पुराने इस मामले में आरोपी यूट्यूबर अरेस्ट, 1997 में हुई थी आजीवन कारावास की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा ने 31 साल पुराने अपहरण और हत्या के मामले में फरार आरोपी सलीम वास्तिक को गिरफ्तार किया है। सलीम वास्तिक हाल ही में अपने विवादास्पद बयानों और यूट्यूब वीडियो के कारण चर्चा में था। उसे 1995 में एक गंभीर अपराध का दोषी ठहराया गया था और वह कई वर्षों से कानून से बच रहा था। यह मामला 1995 का है, जब पूर्वोत्तर दिल्ली के एक व्यापारी के 13 वर्षीय बेटे संदीप बंसल का अपहरण कर लिया गया था। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। 1997 में अदालत ने सलीम खान और उसके साथी अनिल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय से 2000 में अंतरिम जमानत मिलने के बाद सलीम फरार हो गया था। वह उसके बाद कभी वापस नहीं लौटा। जांच में पुराने रिकॉर्ड, फिंगरप्रिंट और तस्वीरों का उपयोग करके उसकी पहचान की पुष्टि की गई। पुलिस ने उसे लोनी से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। यह गंभीर मामला 1995 में सामने आया था। उस समय पूर्वोत्तर दिल्ली के एक जाने-माने व्यापारी के बेटे संदीप बंसल का अपहरण हुआ था। संदीप की उम्र उस समय केवल 13 साल थी। इस घटना से क्षेत्र में भय का माहौल बन गया था। अदालत ने 1997 में इस मामले में अपना फैसला सुनाया। सलीम खान और उसके सहयोगी अनिल को आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। सलीम को वर्ष 2000 में दिल्ली उच्च न्यायालय से अंतरिम जमानत मिली थी। जमानत मिलने के बाद वह कानून की गिरफ्त से फरार हो गया। इसके बाद वह कभी भी अदालत में पेश नहीं हुआ। हाल के दिनों में वह अपने विवादास्पद बयानों और यूट्यूब वीडियो के कारण सुर्खियों में रहा था। पुलिस ने उसकी पहचान पुराने रिकॉर्ड, फिंगरप्रिंट और तस्वीरों से सुनिश्चित की। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे लोनी से गिरफ्तार कर लिया। सलीम वास्तविक ने यूट्यूब चैनल शुरू करने के बाद इस्माम धर्म और उसकी रूढ़िवादी प्रथाओं व कुरीतियों के खिलाफ कई वीडियो अपने चैनल पर प्रसारित किए। पहलगाम हमले का विरोध और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना भी की। इसके बाद 27 फरवरी 2026 को लोनी स्थित उसके कार्यालय पर जीशान और गुलफाम नामक दो व्यक्तियों ने चाकू से जानलेवा हमला किया और गर्दन व पेट पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। इसके बाद से ही सलीम वास्तविक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित नाम बन गया। 1 मार्च 2026 को पहली मुठभेड़ में, यूपी एसटीएफ और गाजियाबाद पुलिस ने मुख्य आरोपी जीशान को लोनी में हुई मुठभेड़ के दौरान ढेर कर दिया। वहीं 3 मार्च 2026 को दूसरा आरोपी गुलफाम इंदिरापुरम के वसुंधरा इलाके में मुठभेड़ के दौरान मारा गया। कुछ दिन पहले ही यूट्यूबर सलीम वास्तविक को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था।

उन्नत डिसिल्टिंग मशीनें पूरे पंजाब में बाढ़ रोकथाम, जान-माल और फसलों की सुरक्षा के लिए अधिक लाभदायक......

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि ये बहु-उद्देशीय मशीनें गहराई तक सफाई कर सकती हैं, जिसके लिए संभावित और आपातकालीन स्थितियों में बाढ़ राहत कार्यों के लिए हमारे पास ये मशीनें होना समय की जरूरत है। उन्होंने विभाग को इन मशीनों की खरीद के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। वैश्विक स्तर पर बेहतर अभ्यासों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैंने हाल ही में फिनलैंड की अपनी यात्रा के दौरान इस मशीन को काम करते देखा था, जहां इन बहु-उद्देशीय मशीनों का पूर्ण उचित तरीके से उपयोग किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इन मशीनों का उपयोग बाढ़ सुरक्षा कार्यों के साथ-साथ नहरों, नालों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों की देखभाल और सफाई के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन मशीनों की खरीद से बाढ़ के कहर के कारण लोगों को आने वाली मुश्किलों को कम करने में अधिक मदद मिलेगी। पानी के प्रबंधन संबंधी चिंताओं को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाखड़ा डैम में पानी का अधिकतम स्तर 1680 फीट है और 26 अप्रैल को यह 1594 फीट दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि 1 जून से शुरू होने वाली धान की बिजाई को ध्यान में रखते हुए आगामी मानसून को देखते हुए सुचारू रूप से पानी छोड़ने की योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य में 1 जून से धान की बिजाई शुरू की जा रही है, इसलिए आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए भाखड़ा डैम से अधिक से अधिक पानी छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य में नए खालों के निर्माण और पुराने खालों को बहाल करने का काम 31 मई तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद सिंचाई के उद्देश्यों के लिए अतिरिक्त 5000 क्यूसेक पानी की जरूरत होगी। चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जल स्रोत विभाग के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जनता के हित को ध्यान में रखते हुए बाढ़ को रोकने के लिए पूरे राज्य में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खालों की सफाई युद्ध स्तर पर चल रही है और जल्द ही पूरी हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि संभावित बाढ़ को रोकने के लिए बाढ़ प्रभावित प्रमुख स्थानों पर गार निकालने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार द्वारा रोपड़ जिले में जहां लगभग 20 गांव बाढ़ की मार झेल रहे हैं और जहां पिछले साल भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था, वहां व्यापक रोकथाम कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ को नियंत्रित करने और निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए जरूरत अनुसार स्टड और स्पर संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को सिंचाई और पर्यटन दोनों उद्देश्यों के लिए स्वां नदी के चैनलाइजेशन की संभावना की पड़ताल करने के भी निर्देश दिए।

नाला खुदाई के दौरान धंसी मिट्टी, मलबे में दबे मजदूर, एक की मौत, दो सकुशल निकाले

अलीगढ़। अलीगढ़ के व्यस्ततम इलाके रेलवे रोड पर 25 अप्रैल को सड़क निर्माण और नाला खोदाई के दौरान हादसा हो गया। अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। मलबे में राजकुमार, राहुल और महेंद्र दबे थे। राहुल और राजकुमार को सकुशल निकाल लिया गया था। महेंद्र की मौत हो गई है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अपर नगर आयुक्त का घेराव किया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और राहगीरों ने कड़ी मशक्कत कर दबे हुए मजदूरों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। एक मजदूर महेंद्र की हालत नाजुक देखते हुए नगर निगम की टीम उसे तत्काल उपचार के लिए ले जाने लगी। टीम घायल मजदूर को पहले जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाना चाहती थी, लेकिन वहां चल रही हड़ताल की खबर मिलते ही उन्हें अपना इरादा बदलना पड़ा। समय की नजाकत को देखते हुए अधिकारियों ने मजदूर को आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महेंद्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। बाहर निकल गए मजदूर राजकुमार ने बताया कि सुरक्षा मानको की अनदेखी की जा रही थी और जबरन काम कराया जा रहा था। हादसे के बाद रेलवे रोड के व्यापारी आक्रोशित हो उठे। व्यापारियों ने अपर नगर आयुक्त का घेराव करते हुए कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। व्यापारियों का आरोप है कि बिना सुरक्षा मानकों के खुदाई का काम किया जा रहा है। घनी आबादी और व्यस्त बाजार होने के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। निर्माण कार्य की कछुआ चाल से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

मलेरिया में दोहरा संक्रमण बढ़ाता है परेशानी; मल्टी इंफेक्शन डॉक्टरों के लिए भी बना पहेली

नई दिल्ली। बुखार आते ही हम अक्सर उसे मलेरिया समझकर सामान्य इलाज के भरोसा रह जाते हैं। यह प्रवृत्ति ठीक नहीं है क्योंकि दिल्ली के अस्पतालों में आए मरीजों की जांच से पता चला है जिनमें मलेरिया के साथ डेंगू, चिकनगुनिया या टाइफाइड जैसी दूसरी बीमारियों के लक्षण भी मिले हैं। मल्टी इंफेक्शन डॉक्टरों के लिए सबसे बड़ी पहेली बनता जा रहा है। बीमारी का पता नहीं चलने पर इलाज का का असर भी बेहद धीमा होता है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल में हुए हालिया अध्ययन में यह पता चला है। जुलाई 2022 से नवंबर 2023 के बीच किए गए शोध में 4259 बुखार वाले मरीजों का अध्ययन किया गया, जिनमें से 87 मरीज (2.04त्न) मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। इनमें करीब 45 प्रतिशत मरीज ऐसे थे, जिनमें डेंगू, चिकनगुनिया या टाइफाइड जैसी बीमारियों के साथ को-इंफेक्शन पाया गया, जिससे बीमारी की पहचान और इलाज दोनों जटिल हो जाते हैं। इस अध्ययन में प्लास्मोडियम वाइवैक्स और फाल्सीपेरम दोनों प्रकार के संक्रमण दर्ज किए गए। अध्ययन के अनुसार मरीजों में सबसे आम लक्षण ठंड लगना 80.46, पीलिया 51.72, मांसपेशियों में दर्द 56.32, पूरे शरीर में दर्द 54.02 और लीवर व स्प्लीन का बढ़ना 64.37 फीसदी पाए गए। कुछ गंभीर मामलों में गंभीर एनीमिया सबसे प्रमुख जटिलता के रूप में सामने आया। मलेरिया अन्य संक्रमणों के साथ मिलकर शरीर पर असर डालता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में लक्षण एक-दूसरे से मिल जाते हैं, जिससे सही समय पर बीमारी पहचानना मुश्किल हो जाता है और इलाज में देरी हो सकती है। जुलाई से सितंबर के बीच मलेरिया संक्रमण का खतरा सबसे अधिक होता है। पुरुषों में संक्रमण का जोखिम महिलाओं की तुलना में अधिक पाया गया। दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया सभी मच्छरों से फैलते हैं। टाइफाइड खराब स्वच्छता और दूषित पानी से जुड़ा है। क्लिनिकल स्तर पर तीनों बीमारियों को अलग करना कठिन हो जाता है। यही कारण है कि कई बार एक संक्रमण के साथ दूसरे संक्रमण छिपे रह जाते हैं और मरीज मल्टी-इंफेक्शन के रूप में सामने आते हैं।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Roli Mehrotra, D/o Manoj Mehrotra and ex-wife of Sumit Tandon, R/o Awasthi Tola, Mahsuniya Maholi, Sitapur, Uttar Pradesh 261141 declare that I got divorced from my ex-husband vide Court Order HMA No. 636-2020 dated 17/02/2021, and have remarried Prashant Agrawal vide Marriage Certificate No. Regn. No. 2393 dated 08.03.2022 (SRO Sadar Fifth, Ghaziabad). Further, I have changed the name of mine, my minor daughter namely Kaushiki Tandon, aged 16 years and my minor son namely Vansh Tandon, aged 12 years. We shall hereafter be known as Roli Agrawal, Kaushiki Agrawal, and Siddhant Agrawal respectively. Henceforth, the father's name of my minor son and daughter shall be known as Prashant Agrawal for all purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है की मेरी मुविक्किला श्रीमती अर्चना राय पत्नी श्री सुकुमार राय निवासी बी -2/690, जे जे कॉलोनी फेस 2, मदन पुर खादर, नई दिल्ली 110076 ने अपने पुत्र प्रकाश राय व उसकी पत्नी अनीता राय बराई ओर उनके पुत्र साध्विक राय (आयु 6 साल) को मेरी मुवक्किला के साथ आए दिन दुर्व्यह्वार करने, मारपीट करने, जबरदस्ती मुवक्किला के पैसे हड़पने , घर से जबरदस्ती भगाने व घर को जबरदस्ती हड़पने और मनमाने चाल चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, इसलिए मेरी मुविक्किला ने इन दोनों से अपने समस्त रिश्ते नातो से संबंध विच्छेद कर लिए है। अब भविष्य में अपने पुत्र प्रकाश राय व पुत्रवधू अनीता राय बराई के किसी भी कृत्य, लड़ाई झगड़ा, कानूनी कार्यवाही, आपसी मुकदमेबाज़ी व लेनदेन में मेरी मुविक्किला जिम्मेदार नहीं होगी ।

विजय प्रताप सिंह अधिवक्ता
चैम्बर न. 614, साकेत कोर्ट,
नई दिल्ली 110017

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि श्री ब्रह्मा सिंह पत्र स्वर्गीय श्री मातादीन, खमरा नंबर 123 में से 100 वर्ग गज भूमि क्षेत्र के आनासीय मकान के मालिक है. जो ग्राम भंगेल बेगमपुर, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जिसके अंतर्गत दिनांक 21.12.2020 को श्रीमती गीता शर्मा पत्नी श्री मोहन लाल शर्मा द्वारा निष्पादित विक्री विलेख के अनुसार यह संपत्ति श्री किशन कुमार को बेची जाती है और संपत्ति श्रृंखला में दिनांक 10.07.2006 को श्री देवेंद्र कुमार पुत्र श्री रिछपाल सिंह द्वारा श्रीगली गीता शर्मा पत्नी श्री मोहन लाल शर्मा के पक्ष में निष्पादित मूल बिक्री विलेख, निमे निधिनत दस्तावेज संख्या 4520 के रूप में पंजीकृत किया गया है, खो गया है और पहले ही ऑनलाइन एफआईआर एलआर संख्या 201857/2026 के माध्यम से दिनांक 28.02.2020 को दर्ज की जा चुकी है। 27.04.2026, और इसे एसएमएफनी इंडिया होग फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है. आम जनता का मुचित किया जाता है कि यदि किसी के पास उक्त संपत्ति में कोई शुल्क / व्यान / शीर्षक है या किसी भी प्रकार का निनाद है, तो कृपया बर्तमान तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर सूचित करें।,

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

CORRIGENDUM

This is to inform/known to all that we had published a Public Notice on dated 19-04-2026 in same newspaper regarding lost of Power of Attorney documents of property "Piece Of Land Measuring Area 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 743 Min, Bearing Plot No. 82-A, Situated in the Abadi of Pragati Vihar, in the Area of Village Ravi Sadakpur, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad, U.P ".
In that publication the borrower's name was wrongly published as **"Vishnu Singh"** but the borrower's correct name is **"Vishun Singh"**.
Dated: 27-04-2026 Advocate Ghanshyam Singh,
Place : Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE

I, Om Prakash, S/o Shri Chand, resident of A-15/1, Block-A, DDU Hospital Staff Quarters, Hari Nagar, South West Delhi, Delhi-110064, I have disowned and severed all relations with my sons Ankit, Deepesh Kumar and Dheeraj, along with their respective wives, with immediate effect due to their misconduct. They shall have no right, title, or claim in any of my movable or immovable properties, now or in the future. I further state that I shall not be responsible or liable for any of their acts, deeds, or liabilities. Any person dealing with them shall do so at their own risk.
Kamini Srivastava Advocate

NAME CHANGE

I Amrit Pal R/o Hans Raj R/o L-20, Gali No-24, Radha Swami Sat Sang Ghar, Mahendra Park, DIST: North West Delhi, Delhi-110033 have changed my name to Amrit Pal Sharma for all future purposes.

Public Notice

It is for general information that I, ASHOK KUMAR S/O Bhagmal R/O B-653, Jahangirpuri, DIST: North West Delhi, Delhi - 110033, declare that name of mine has been wrongly written as ASHOK in my minor daughter namely DEVYANSI aged 13 years in her school record, the actual name of mine is ASHOK KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I, hitherto known as Santosh Sharma alias Santosh Kumar Sharma S/O Dudhnath Sharma R/o J-176, Sanker Puri, sector 9 , Vijay Nagar, Ghaziabad, Dist: ghaziabad, Uttar Pradesh, pin code 201009, Have changed my name and shall hereafter be known as Santosh Sharma.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD TABREZ NAFIS S/O MOHAMMAD NAFIS AHMAD residing at J-25, DDA HIG JASOLA HEIGHTS, POCKET-9A, JASOLA, NEW FRIENDS COLONY, NEW DELHI-110025 Have changed my name to MD TABREZ NAFIS for all future purposes.

NAME CHANGE

I,Aslam khan son of shehzad khan R/o 584 street jute wali churi walan jama masjid north delhi delhi-110006 have change my father name from Mohd shahzad khan to shehzad khan for all future purpose

NAME CHANGE

I, Humaira D/o Mohd Javed R/o Flat No. A-2-A, 1St Floor, Plot No.283, B-Block, Shalimar Garden Main Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of my mother have been wrongly written as Zakia in my 10th Class Educational Documents. Correct Name is Zakia Javed

NAME CHANGE

I, RAUNAK D/o Bhoop Singh R/o H.No.3733/17, Regar pura, Karol Bagh,Delhi-110005, have changed my name to RAUNAK KAIN for all future purposes.

NAME CHANGE

ARMY NO-JC-472707F, RANK-SUB CLK, NAME- ANIL KUMAR , 11 RAJ RIF R/O FATEHPUR, NASIRPUR, GARSHAN, FIROZABAD, UTTARPRADESH-283142, HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM KUMARI PRANSHU TO PRANSHU

NAME CHANGE

ARMY NO-JC-472707F, RANK-SUB CLK, NAME- ANIL KUMAR, 11 RAJ RIF, R/O FATEHPUR, NASIRPUR, GARSHAN,FIROZABAD, UTTARPRADESH-283142 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM KUMARI ANSHU TO ANSHU

NAME CHANGE

I SARFRAZ S/O SARDAR AHMAD residing at J-EXTN 16 ABDULLAH HOUSE GALI NO-12 RAMESH PARK LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to SARFARAZ KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I UMAR DARAJ S/O SARDAR AHMAD residing at G-58 J-EXTN 16 GALI NO-12 ABDULLA HOUSE RAMESH PARK LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to MOHD UMAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ALLAGAMMA Mother of JC-442443W Rank-SUB Name-E JEYARAMAN Presently residing at VILL-T METTY PATTI, PO-THETHOOR, PS-T VADIPATTI, TO-PALAMEDU, TEH- T VADIPATTI, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625503 have changed my name from ALLAGAMMA to ALAGAMMAL E for all future purposes vide Affidavit Dated 27/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ERRAMA NAIDU father of JC-442443W Rank-SUB Name-E JEYARAMAN Presently residing at VILL-T METTY PATTI, PO-THETHOOR, PS-T VADIPATTI, TO-PALAMEDU, TEH- T VADIPATTI, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625503, have changed my name from ERRAMA NAIDU to ERRAMANAIDU RENGASAMY for all future purposes vide Affidavit Dated 27/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MUSKAN D/O ZULFIQAR Resident of House No 1139-A GALI NO 37 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My Father incorrect name is ZUFIKAR My Father Correct name ZUFIQAR And My incorrect Name is MUSKAAN My Correct Name MUSKAN

PUBLIC NOTICE

It is hereby notified to public at large that Mr. Gangesh Kumar Jha, S/o Mr. Ram Kishor Jha and Mrs. Sudhira Devi, R/o C-198, Indra Kalyan Vihar, Okhla Phase I, Okhla Industrial Area, New Delhi 110020, is our son. We are the owners of the following properties standing in our respective names.(1). A-384, Indra Kalyan Vihar, Okhla Phase 1, Okhla Industrial Area, New Delhi 110020. (2). Plot No. 2413, Ekta Enclave Part II, Tilpat, Faridabad, Haryana. (3). Ancestral Property in Gram Post Amethi, Parkhand Bainipur, Bhaya Nehra, Distt. Dharbhanga. That we disown Mr. Gangesh Kumar Jha as our son and we have no relation henceforth with him or his wife Mrs. Shalini Jha henceforth. That Mr. Gangesh Kumar Jha or Mrs. Shalini Jha have no right, title, interest, share, or claim whatsoever, whether present or future, whether direct or indirect, in any of the aforesaid properties. In the future, We and our family shall not be held responsible for any of their acts, deeds, or dealings with any person or company. Anyone dealing with him shall do so at their own risk and responsibility. This notice is issued to place the correct legal position on record and to caution the general public against any false or unauthorized claims.
(Mr. Ram Kishor Jha)
(Mrs. Sudhira Devi)Place:
New Delhi
Date: 27-04-2026

NAME CHANGE

I, PUSHPA W/O INDER SINGH SAINI residing at 3747 BAZAR PAHARI DHIRAJ GALI MAMAN ZAMADAR NEAR SADAR BAZAR DELHI-110006 have changed my name to PUSHPA SAINI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MEGHA MISHRA wife of No. 6944974A Rank-HAV Name-ARVIND KUMAR MISHRA residing at VILL-KOTWA, PO-MANGURAHA, TEHSIL-AREAJ, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845458, have changed my name from MEGHA MISHRA to MEGHA for all future purposes vide Affidavit dated 27/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 6944974A Rank-HAV Name-ARVIND KUMAR MISHRA residing at VILL-KOTWA, PO-MANGURAHA, TEHSIL-AREAJ, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845458, have changed my minor daughter's name from ARPNA KUMARI to ARPANA KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 27/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LAXMAN MISHRA Father of No. 6944974A Rank-HAV Name-ARVIND KUMAR MISHRA residing at VILL-KOTWA, PO-MANGURAHA, TEHSIL-AREAJ, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845458, have changed my name from LAXMAN MISHRA to LACHHUMAN MISHRA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/10/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 Vide Affidavit dated 27/04/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, SUNARPATI DEVI Mother of No. 6944974A Rank-HAV Name-ARVIND KUMAR MISHRA residing at VILL-KOTWA, PO-MANGURAHA, TEHSIL-AREAJ, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845458, have changed my name from SUNARPATI DEVI to SHOBHA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/08/1967 instead of my correct date of birth as 01/01/1957 Vide Affidavit dated 27/04/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I,Farya Parveen W/o. Romman R/o. B-996, Gali No-20, Subhash Mohalla, Garhi Mendu, Bhajan Pura Delhi-110053 have changed my name to Fariya Naaz.

NAME CHANGE

I Pooja W/o Sikandar R/o S-83/232, Indira Camp, Near Blind School, Begumpur, Malviya Nagar, S.O. South Delhi, New Delhi-110017 That in the school record (Shri Dashmesh Khalsa Primary School) of my minor son namely Ronak Nindhaniya aged 10 yrs. his name has been wrongly written as Ronak instead of Ronak Nindhaniya which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I VIMLESH KUMARI D/O RAMAPATI R/O RZ-5G GALI NO - 30, INDRA PARK ,PALAM COLONY NEAR SUDHIR DOCTOR CLINIC PALAM VILLAGE DELHI- 110045 have changed my name to VIMLESH SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ZAID S/O MOHD RASHID R/O 42-A/5, 3rd FLOOR, PLOT NO. 271-273, QABRISTAN WALI GALI KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI-110052 have changed my name to MOHD ZAID ANSARI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD RASHID S/O JAHUR AHMAD R/O 16 -A NEAR AMBEDKAR DHARAMSHALA KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to MOHD RASHID Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

RAM ASARE S/O JAI RAM MAURYA R/O 57 A MASTER BLOCK GALI NO 2 CHADAR VALI GALI SHAKARPUR LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to RAM ASARE MAURYA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I JAN MOHAMMAD S/O KHUTA R/O ON ROD , POTAYA RUPRAKA (246) RUPRAKA PALWAL HARYANA 121103 have changed my name to JAN MOHD Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MD RASHID/ MOHAMMED RASHID S/O MOHAMMED IBRAHIM residing at H NO-1088/15 KATRA GHULAM MOHAMMAD BAZAR, LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name to MOHAMMAD RASHID for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KANCHAN CHAUHAN RANA W/O YUGRAJ SINGH RANA residing at HOUSE NO-357, SECTOR-45, NHPC COLONY, FARIDABAD, HARYANA-121010 Have changed my name to KANCHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I SEEMA W/O MOHAMMAD RASHID residing at H NO-1088/15 KATRA GHULAM MOHAMMAD BAZAR, LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name to SEEMA TARANNUM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMED SUHAIL S/o Mohd Asif R/o House No. 1955, Gali Chunamal, Suiwalan, Darya Ganj, New Delhi - 110002, Have changed my name from MOHAMMED SUHAIL to MOHD SUHAIL FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Aliya haseen D/o mohd.Haseen R/o 2773 on 4th floor Gali Hindu wara pahari bhojla turkman gate Delhi Delhi have changed my name from Aalima to Aliya Haseen for all future Purpose.

NAME CHANGE

I SULEKHA D/O SUKH DEV SAINI R/O RZ-L-218/219 PAWAR HOUSE VIJAY ENCLAVE PALAM SOUTH DELHI 110045 HAVE CHANGED MY NAME TO SULEKHA SAINI

NAME CHANGE

I am Avantika daughter of Rajeev Gupta residence of - B2/65 block B/2, vijay enclave,palam village, new delhi -110045 Have changed my name to Avantika gupta

Public Notice

I hitherto known as Ravi Shankar Lakshminarasimhan S/O Ravi Shankar, R/O H-266, Sector-22, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as R Lakshminarasimhan.

NAME CHANGE

I, SAMER SULTANA W/O MOHAMMAD SABIR residing at 7/17, ANSARI ROAD, DARYA GANJ, DELHI-110002 have change my name to SAMAR SULTANA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SUBUR / SUBUR SABIR W/O MOHD SALMAN residing at 1335, MADARSA SHAH ABDUL AZIZ, KALAN MAHAL, DARYA GANJ, DELHI-110002 have change my name to SUBUR BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I RAVINDER KUMAR TANGRI S/o MADAN LAL TANGRI R/o Joy Apartment , Block 1 , Sec 2, Plot No. 2 , Flat 1014, Dwarka, South West Delhi, Delhi - 110075 declare that the name of mine and my father have been wrongly written as RAVINDER KUMAR and M L TANGRI in my Driving Licence No. DL09 19930256972 and name of my father has been wrongly written as MADAN LAL in my Delhi University Enrol. No.CC-5996/83 and Bar Council Enrol. No.D/12075/2024. The actual name of mine and my father are RAVINDER KUMAR TANGRI and MADAN LAL TANGRI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I RAJESH KUMAR S/o RAM CHANDRA, R/o Flat No. 202 D, Third Floor Pocket 12, D.D.A Flats Jasola Vihar, New Friends Colony, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as KHUSHI in my minor daughter KHUSHI KUMAR SONI, aged 16 years in her SC Caste Certificate No. 90510000300971. The actual name of my minor daughter is KHUSHI KUMAR SONI, which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

टायर प्लांट में भीषण आग से हजारों क्विंटल स्टॉक खाक

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के मुकारमपुर गांव स्थित एक टायर प्लांट में आग से हजारों क्विंटल स्टॉक नष्ट हो गया।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 16 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटों के प्रयास के बाद सुबह तक आग पर काबू पाया जा सका। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि प्लांट में रखा भारी मात्रा में टायरों का स्टॉक पूरी तरह जल गया।प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग की चपेट में आसपास के कुछ खेत भी आ गए। प्लांट मालिक के अनुसार, इकाई 21 अप्रैल से बंद थी और केवल श्रमिक परिसर में मौजूद थे। रविवार अलसुबह कर्मचारियों ने स्टॉक क्षेत्र में आग देखी, जो देखते ही देखते विकराल रूप ले गई। श्रमिकों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। मालिक ने आरोप लगाया कि दमकल को सूचना देने के बावजूद राहत दल को मौके पर पहुंचने में विलंब हुआ, जिससे नुकसान बढ़ गया। वहीं, दमकल कर्मियों का कहना है कि सूचना मिलते ही टीमें रवाना कर दी गई थीं और आग की तीव्रता के कारण कई गाड़ियों की आवश्यकता पड़ी।

शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर लाखों ठगे

जींद। साइबर थाना पुलिस ने शिक्षा विभाग से रिटायर्ड व्यक्ति को झांसे में लेकर शेयर मार्केट मे निवेश करने के नाम पर 25.15 लाख रुपये ठगने पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिक्षा विभाग से रिटायर्ड अर्बन एस्टेट निवासी ओमप्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने सीबी द्वारा पंजीकृत वर्ष 2025 में निवेश पर देश का नेतृत्व कर चुके आरव गुप्ता से जुड़ा व्हाट्सअप ग्रुप ज्वायन किया था। फिर उसने ग्रुप में चल रही गतिविधियों को देखा। जिससे प्रभावित होकर उसने ट्रेडिंग एप पंजीकृत कर लिया। खाता रजिस्ट्रड होने के बाद मीना जोशी को कस्टमर प्रतिनिधी बनाया। जिसके बाद उसे कई कंपनियो के शेयर आबंटित किए गए। मीना के कहे अनुसार उसने दो खातों में 25 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। गत 11 अक्टूबर को मुनाफे के तौर एक लाख रुपये आए। मीन जोशी से बात करने पर उसे बताया एचएनआई चैनल में इश्यू होने के कारण दाम कम हुए हैं। जब उसने नेट पर देखा तो पता चला कि कर्मियों को ही कम दाम शेयर दिए जा रहे हैं। जिसके बाद उसने सभी शेयर बेच दिए। उसके खाते में 79 लाख 32 हजार 708 रुपये दिखाए गए। जब उसने राशि का निकालने की कोशिश की तो राशि नही निकली। छानबीन के दौरान सामने आया कि फर्म के नाम से फर्जी ऑनलाइन सिस्टम बना कर लोगों से धोखाधड़ी की जा रही है।

ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में साइबर थाना एनआईटी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तरप्रदेश निवासी सुमित(21) व मनवेंद्र(22) के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों को आज अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस प्रवक्ता अनुसार एस.जी.एम नगर निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि जनवरी 2026 में उसकी फेसबुक आईडी पर एक मैसेज आया। जिन्होंने बताया कि वे ग्लोबल प्राइम ट्रेड का काम करते है और लोगों के पैसे को ग्लोबल ट्रेड में लगवाते है और उसका मोटा मुनाफा दिलाते है। फिर उसके मोबाईल पर एक लिंक भेजा जिसमें शिकायतकर्ता ने अपनी सारी डिटेल्स भर दी, फिर एक ग्रुप पर उसका एक अकाउंट खोल दिया और उसे एक टेलीग्राम ग्रुप में ऐड किया। जिसके बाद ठगो के कहने पर शिकायतकर्ता ने ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने के लालच में अलग-अलग खाता में कुल 54 लाख 85 हजार रुपए भेज दिये।

700 करोड़ रूपए का शहीद स्मारक बनेगा 1857 की क्रांति का जीवंत प्रतीक : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आशा व्यक्त की कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में निर्मित हो रहे भव्य शहीद स्मारक का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी शीघ्र करेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्मारक के खुलने के बाद देशभर के लोग यहां आकर उन अनसुने वीरों (अनसंग हीरोज) की गाथाओं को जान सकेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। विज आज अंबाला छावनी स्थित मॉल रोड पर श्री शालिंदर खन्ना (शैली) के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख किया, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस ऐतिहासिक संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है। इसमें 10 मई 1857 से शुरू हुए स्वतंत्रता संग्राम और देशभर में हुए संघर्षों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। अंबाला, मेरठ, झांसी, कश्मीरी गेट सहित विभिन्न स्थानों पर लड़ी गई लड़ाइयों तथा रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे जैसे महान योद्धाओं के योगदान को भी इसमें दर्शाया गया है।

हरियाणा में बदलेगा मौसम का मिजाज

18 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट, लू से मिलेगी राहत

एजेंसी

हिसार/चंडीगढ़। हरियाणा में भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर भारत में एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से आज प्रदेश के 18 जिलों में मौसम में बड़ा बदलाव आने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश के साथ-साथ तेज हवाएं चलने और आसमानी बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मुख्य रूप से भिवानी, फरीदाबाद, पलवल, पानीपत, सोनीपत, रेवाड़ी, झज्जर, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, रोहतक, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, अंबाला, पंचकूला, कुरुक्षेत्र और करनाल में धूलभरी आंधी और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान

है। पिछले 24 घंटों में नारनौल प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहाँ अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, सोमवार से शुरू हो रही मौसमी गतिविधियों के कारण अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की उम्मीद है। इससे पारा 40 डिग्री से नीचे आ सकता है और लोगों को भीषण लू (Heatwave) से निजात मिलेगी।

दिन के साथ-साथ हरियाणा में रातें भी तपने लगी हैं। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.5°C अधिक चल रहा है। फरीदाबाद में न्यूनतम तापमान 30.7°C दर्ज किया गया, जो 'वार्म नाइट' की स्थिति को दर्शाता है। बादलों की आवाजाही के कारण रात में उमस बढ़ गई है, लेकिन बारिश के बाद रात के तापमान में भी 2 डिग्री तक की कमी आ सकती है।

आगामी 3 दिनों का पूर्वानुमान : 28 अप्रैलः बारिश की गतिविधियों में और तेजी आएगी, विशेषकर सिरसा और आसपास के इलाकों में। 29 अप्रैलः दक्षिण हरियाणा (गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात) में धूलभरी आंधी और बूंदाबांदी जारी रहेगी। 30 अप्रैलः मौसम साफ होना शुरू हो जाएगा, हालांकि आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं।

प्रशासन ने किसानों को सलाह दी है कि वे कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें, क्योंकि तेज हवाओं और बारिश से फसलों को नुकसान पहुँच सकता है।

मुख्यमंत्री ने एनएच-48 पर देखी सफाई, अशोक विहार में नाले का निरीक्षण

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में श्रमिकों के सम्मेलन में पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम शहर में अलग-अलग स्थानों का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सुबह एनएच-48 और दोपहर को अशोक विहार-भीमगढ़ खेड़ी के समीप लेग-2 ड्रेन का निरीक्षण किया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ रहे।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीडब्ल्यू रेस्ट हाउस से भाजपा कार्यालय गुरुकमल जाते हुए एनएच-48 की सर्विस लेन पर अपना काफिला रूकवार सफाई, हरियाली व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ही सबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम में नागरिकों की सुविधा से जुड़ी किसी सेवा में कमी नहीं रहनी चाहिए। वे लगातार नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का फीडबैक ले रहे है और स्वयं निरीक्षण कर जायजा लेंगे। उन्होंने सडक़ों के किनारे हरियाली व शहर के विभिन्न पार्कों के उचित रखरखाव करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने

दोपहर अशोक विहार-भीमगढ़ खेड़ी के समीप से गुजर रही लेग-2 ड्रेन का निरीक्षण किया। उन्होंने लेग-2 ड्रेन के गंदे पानी को साफ करने के प्रयासो के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए इस ड्रेन की सफाई निरंतर होनी चाहिए तथा इसके पानी के नियमित रूप से सेंपल लिया जाए। साथ ही ड्रेन के दोनों किनारों की सफाई कर इसका सुदृढ़ीकरण भी किया जाए। इस अवसर पर डीसी उत्तम सिंह, नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया, सीपी विकास अरोड़ा व जीएमडीए और अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

विपक्ष ने महिला बिल का विरोध कर बड़ा मौका खोया: कैप्टन अभिमन्यु

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि विपक्ष ने महिला बिल का विरोध कर बहुत बड़ा मौका खो दिया है और आज विपक्ष का नेतृत्व विचारहीन हो चुका है। इनका जनता के सरोकारों से कोई लेना-देना नहीं है। कैप्टन अभिमन्यु सिरसा में आयोजित भाईचारा सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राज्यसभा के सात आम आदमी पार्टी सांसदों का पार्टी छोडने के सवाल पर कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपने कुकर्मों के बोझ तले दबती जा रही है।आम आदमी का मुखौटा ओढ़ कर दिल्ली व पंजाब में सरकार बनाई, लेकिन आम आदमी नहीं, इनका रूप खास से भी खास नजर आया। पंजाब की जनता व युवा अपने आप को आज ठगा महसूस कर रहे हैं और अब आम आदमी पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। पंजाब की जनता ने अकाली दल बादल, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के सभी प्रयोग देख लिए हैं और अब आने वाले चुनाव में प्रदेश की जनता नया प्रयोग भाजपा के रूप में देख रही है। उन्होंने भाईचारा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक लोगों को संतों-महापुरुषों के दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए सात्विक व स्वाभिमानी लोगों को मजबूत करने की दिशा में काम करना होगा तभी चौराहे पर खड़े समाज को राजनीतिक स्वार्थों व षड्यंत्रों से बचाया जा सकेगा। प्रदेश के छत्तीस बिरादरी का जो गुलदस्ता खून पसीने से सींचा था उसमें राजनीतिक कारणों से भरोसे की कमी आई है जो देश व समाज के लिए अच्छी बात नहीं है।

वास्तविक पढ़ाई केवल कक्षाओं की चारदीवारी तक सीमित नहीं: सांसद कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रोग्रेसिव स्कूल्स काउंसिल 24 (जीपीएससी) का वार्षिक सम्मेलन सीबीएसई सहोदय के तत्वावधान में यहां एक होटल में भव्यता से आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य चेतना, उद्देश्यपूर्ण शिक्षण और समग्र विकास के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की नई परिकल्पना करना था। इसमें सांसद, शिक्षा पद्धति से जुड़े अधिकारियों ने अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित शुभारंभ किया। गुड़गांव प्रोग्रेसिव स्कूल्स काउंसिल जीपीएससी की अध्यक्षा अलका सिंह, सनसिटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की निदेशक रूपा चक्रवर्ती ने अतिथियों का अभिनंदन किया। स्कूल के गायन समूह द्वारा गुड़गांव सहोदय गीत प्रस्तुत किया। इस

अवसर पर जीपीएससी सहोदय ईयर बुक चैतन्य-2 का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि वास्तविक पढ़ाई केवल कक्षाओं की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। उन्होंने भारत की समृद्ध दार्शनिक विरासत का उल्लेख करते हुए अंतश्चक्षु (आंतरिक दृष्टि) और अपनी अंतरात्मा से जुडने के महत्व को समझाया। उन्होंने रटंत प्रणाली के स्थान पर मूल्य-आधारित और बहु-विषयक शिक्षा की वकालत की तथा अपनी वैश्विक क्विज पहल हू कम्स फर्स्ट से परिचय कराया। जीपीएससी की अध्यक्षा अलका सिंह ने कहा कि चैतन्य अर्थात शिक्षा के क्षेत्र में चेतना के जागरण के मूल दर्शन को रेखांकित किया। उन्होंने पिछले वर्ष की महत्वपूर्ण उपलब्धियों व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल सुरक्षा, दुबई में आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय सहोदय सम्मेलन गुरुग्राम मैराथन का भी उल्लेख किया। विशेषज्ञ सत्र और तकनीकी विमर्श में सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने मूल्यांकन से उत्थान की ओर सत्र में मूल्यांकन प्रक्रियाओं में दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली की सराहना की। डॉ. अमीता मुल्ला वट्टल ने सचेत शिक्षा के दर्शन पर चर्चा करते हुए यांत्रिक शिक्षण से ऊपर उठने की आवश्यकता बताई।

न्यूनतम वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर श्रमिक हितों में हरियाणा अग्रणी: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने भारतीय मजदूर संघ द्वारा ऑटो चालकों एवं ड्राइवरों के लिए श्रम कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन करेगी। इस बोर्ड के माध्यम से ऑटो चालक एवं ड्राइवरों को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय श्रमिक जागरुकता एवं सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा नियम लागू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके तहत कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि 15 जून तक इस प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष

2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसकी प्राप्ति में श्रमिक वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती श्रमिकों की मेहनत पर आधारित है। इसी के बल पर भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने गत आठ अप्रैल को कोड ऑन वेजिज के प्रावधानों के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू की है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में न्यूनतम वेतन 2,903 रुपये था, जो 2014 तक बढक़र 6,289 रुपये हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद जब वर्तमान सरकार ने जनसेवा का दायित्व संभाला, तो श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता दी गई। आज न्यूनतम वेतन बढक़र 19,425 रुपये हो चुका है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज प्रदेश विकास के मामले में नई बुलंदियों को छू रहा है और इसका श्रेय मेहनतकश श्रमिकों को जाता है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के परिश्रम के बल पर ही हरियाणा देश के सबसे तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्रमिक कल्याण हेतु चलाई जा रही 29 योजनाओं के अंतर्गत 34 हजार 197 लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 40 करोड़ रुपये की राशि भी ट्रांसफर की, जिससे श्रमिकों के जीवन स्तर को और सुदृढ़ किया जा सके। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था चार प्रमुख स्तंभों-भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता पर आधारित होती है। इनमें से श्रम सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि श्रमिकों की मेहनत ही विकास की गति को आगे बढ़ाती है।

विशेष सत्र के लिए स्पीकर ने अधिकारियों को दिए दिशानिर्देश

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा विधान सभा के प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में सत्र की सभी तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया और विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा कि विशेष सत्र की समस्त व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुव्यवस्थित और पारदर्शी

ढंग से सुनिश्चित की जाएं, ताकि कार्यवाही सुचारु एवं निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने विशेष रूप से तकनीकी संसाधनों की सुचारु उपलब्धता, सुदृढ़ सुरक्षा प्रबंध, सदस्यों की सुविधाओं तथा मीडिया समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि विधान सभा का प्रत्येक सत्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, ऐसे में इसकी गरिमा और प्रभावशीलता बनाए रखना सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सजगता, समन्वय और उत्तरदायित्व के साथ करें। इससे पूर्व विधान सभा अध्यक्ष ने पुलिस महानिदेशक अजय सिंहल और एडीजीपी (सीआईडी) सौरभ सिंह के साथ बैठक कर विशेष सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की और पूर्व की तरह सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

डायरेक्ट सेलिंग मॉडल आत्मनिर्भर भारत का सशक्त माध्यमः पुष्कर सिंह धामी

एजेंसी

गुरुग्राम। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुग्राम में आयोजित एडब्ल्यूपीएल के विजय पर्व कार्यक्रम में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से एडब्ल्यूपीएल के उन प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी साथियों को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपने परिश्रम और समर्पण से सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि यह संस्थान डायरेक्ट सेलिंग मॉडल के माध्यम से अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा रहा है, जिससे ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं और लाखों लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित विशाल जनसमूह का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि डायरेक्ट सेलिंग मॉडल आज लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा

कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और डायरेक्ट सेलिंग मॉडल इसी सोच का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि व्यक्तित्व विकास और क्षमताओं को निखारने का भी अवसर प्रदान करता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं एवं मातृशक्ति की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि आज महिलाएं इस प्रकार के प्लेटफॉर्म के माध्यम से परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं और समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2021 में केंद्र सरकार द्वारा डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र के लिए उपभोक्ता संरक्षण एवं स्पष्ट नियम लागू किए गए, जिससे इस क्षेत्र में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। इन नियमों से डायरेक्ट सेलर्स के अधिकार मजबूत हुए हैं।

ममता बनर्जी पर अनिल विज का तीखा हमला—बोले, 4 मई के बाद बदल जाएगी बंगाल की तस्वीर

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''ममता बैनर्जी अभी दो सभाओं को छोडकर गई हैं, लेकिन आने वाली 4 मई को वे पश्चिम बंगाल को ही छोडकर चली जाएंगी''। विज आज यहां अंबाला छावनी में 105 मॉल रोड पर श्री शालिन्दर खन्ना शैली जी के निवास पर लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सुप्रसिद्ध कार्यक्रम 'मन-की-बात' कार्यक्रम को सुन व देखने के उपरांत मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। विज ने कहा कि पश्चिम बंगाल को पहले चरण का चुनाव हुआ है और जितनी बडी संख्या में वहां पर मतदान हुआ है, ये मोदी जी की लहर का असर है, और मोदी जी की लहर के कारण ही लोगों ने 92 से 93 प्रतिशत तक मतदान किया, जोकि छोटी बात नहीं है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि ममता बैनर्जी अभी दो सभा को छोडकर ही नहीं गई, बल्कि 4 मई को नतीजों को आने

दीजिए तब ममता बैनर्जी बंगाल छोडकर ही चली जाएगी। विज ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी जी के धर्म व संस्कृति और हमारे धर्म व संस्कृति में बहुत ही अंतर है तथा भारतीय जनता पार्टी हमारे धर्म व संस्कृति के सांस्कारिक राष्ट्रवाद पर चलती है। उससे विपक्ष को काफी तकलीफ होती है तथा विपक्ष हमेशा बाहर की बातें करते हैं। ये हमारे शूरवीरों की वीरता को बाहरी नजर से पूछते हैं इसलिए राहुल गांधी और आरएसएस में बहुत ही अंतर है।

सिक्स सिग्मा लीडरशिप समिट एवं एक्सीलेंस अवॉर्ड्स में पहुंचे रील व रियल हीरो

-होटल ताज पैलेस में आयोजित किया गया भव्य कार्यक्रम

-हरियाणा के दंपत्ति संचालित करते हैं सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर

-सिक्स सिग्मा की ओर से दुर्गम यात्राओं में दी जाती है स्वास्थ्य सेवाएं

एजेंसी

गुरुग्राम। 7वां सिक्स सिग्मा लीडरशिप समिट एवं एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने सिक्स सिग्मा द्वारा हिमालयी क्षेत्रों में विशेषकर कैलाश मानसरोवर में 19,000 फीट तक दी जा रही चिकित्सा सेवाओं की सराहना करते हुए इसे राष्ट्र सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण बताया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. प्रदीप भारद्वाज एवं डॉ. हर्ष गुप्ता को नेवी चीफ कमेंडेशन से सम्मानित किया। भारतीय नौसेना के साथ डाइविंग एवं रेस्क्यू ट्रेनिंग सहयोग की घोषणा की। समिट में कैलाश खैर, राजपाल यादव ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, जया प्रदा, अभिनेता राणा

दग्गुपति, रणजीत, सिंगर दिलेर मेहंदी, गणेश आचार्य, योगेश लखानी सहित कई बॉलीवुड हस्तियों की उपस्थिति रही। भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, आईटीबीपी, सीआईएसएफ के वीर अधिकारियों को उनके साहस और राष्ट्र सेवा के लिए सम्मानित किया गया, वहीं नौसेना एवं सीआईएसएफ बैंड ने देशभक्ति का अद्भुत माहौल बनाया। इस आयोजन में 1000 से अधिक देश-विदेश के प्रतिष्ठित डॉक्टर, नीति-निर्माता, उद्योगपति और लीडर्स शामिल हुए। नामी अवार्ड- सिक्स सिग्मा 2026 के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित किया गया। आयोजक डॉ. प्रदीप भारद्वाज ने कहा कि यह समिट रियल और रील हीरो के सम्मान तथा ऑपरेशन सिंदूर की गौरवगाथा को समर्पित है, और सिक्स सिग्मा का उद्देश्य सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता के माध्यम से भारत को गौरवान्वित करना है।

निकाय चुनावः कांग्रेस ने घोषणा पत्र में दिया ग्रीन सिटी,क्लीन सिटी का नारा

चंडीगढ़। हरियाणा में आगामी दस मई को होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने ग्रीन सिटी,क्लीन सिटी का नारा दिया है। अन्य राजनीतिक दलों के मुकाबले सबसे पहले प्रत्याशियों का ऐलान करने वाली कांग्रेस ने सबसे पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की मौजूदगी में चुनाव घोषणा पत्र समिति की अध्यक्ष गीता भुक्कल ने रविवार की शाम चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिन वादों के साथ भाजपा सत्ता में आई थी उनकी 11 वर्षो से अनदेखी हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने अपने घोषणा पत्र में शहरों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए ग्रीन सिटी क्लीन सिटी अभियान चलाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही पार्कों, चौक चौराहों का सौंदर्यीकरण भी प्रमुख रहेगा। कांग्रेस ने प्रदेश के नगर निकायों में भ्रष्टाचार चरम पर होने का दावा करते हुए कहा है कि इन्हें भ्रष्टाचार युक्त से भ्रष्टाचार मुक्त बनाया जाएगा। शहरों क्षेत्रों में मंडियो, मार्केट, चौराहों, बस अड्डों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। कचरे की समस्या को घोषणा पत्र में उभारते हुए कांग्रेस ने हर घर से कूड़ा लेने की प्रक्रिया को सुधारने की बात कही है। जल आपूर्ति में सुधार, सडक़ों में सुधार, गलियों को पक्का करने जैसे मामलों को घोषणा पत्र में शामिल करते हुए कांग्रेस ने शहरी क्षेत्रों की सभी मार्केट में महिला शौचालयों की संख्या बढ़ाने का वादा किया है। प्रदेश में बढ़ रही ट्रैफिक व्यवस्था के मद्देनजर कांग्रेस ने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग से ट्रैफिक प्लान बनाने का वादा मतदाताओं से किया है। इसके अलावा मल्टीस्टोरी पार्किंग का निर्माण करने, बंदरों के आतंक से लोगों को छुटकारा दिलाने, प्रापर्टी आईडी में सुधार करने, प्रत्येक वार्ड में वाई-फाई युक्त लाइब्रेरी सुविधा प्रदान करने की बात कही गई है। कांग्रेस ने निगम क्षेत्रों में आने वाले गांवों में कम्यूनिटी सेंटरों, बारात घरों तथा स्टेडियम निर्माण, मॉडल ग्राम विकसित करने, निकाय सीमा वाले गांवों में बिजली व पानी की व्यवस्था मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने, गांव स्तर पर सरकारी कार्यों के लिए निगम की शाखा के रूप में सेवा केंद्रों की स्थापना का सपना शहरी ग्रामीणों को दिखा है।

आठवां वेतन आयोग देगा भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बूस्ट

ये लोगों की बचत और निवेश की आदत को बेहतर करेगा

नई दिल्ली।

नवंबर 2025 में आठवें वेतन आयोग के गठन के अनुमानों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव के संकेत दिए है। इसका कुल वित्तीय बोझ केंद्रीय कर्मचारियों पर 3.7 से 3.9 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2016 के सातवें वेतन आयोग से करीब चार गुना अधिक होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी केवल इस विशाल खर्च में नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों के खर्च और बचत व्यवहार में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तन में छुपी है। इतिहास के मुताबिक भारत में प्रत्येक वेतन आयोग ने एक नई खपत लहर को जन्म दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 में पांचवें वेतन आयोग के बाद, मध्य वर्ग के पास अतिरिक्त पैसा आया और उन्होंने स्कूटर छोड़कर सीधे बाइक का रुख किया, जिससे हीरो होंडा, बजाज ऑटो और टीवीएस जैसी कंपनियों को बड़ा मौका मिला। इसके बाद, 2008 में छठे वेतन आयोग के दौरान, जब दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही थी, तब भारत में सरकारी कर्मचारियों ने कार और घर खरीदे। मारुति सुजुकी की बिक्री में सरकारी कर्मचारियों की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई, और एचडीएफसी जैसे आवास ऋण प्रदाताओं का तेजी से विस्तार हुआ। वहीं 2016 के सातवें वेतन आयोग ने हालांकि खपत से अधिक निवेश की आदत को प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसआईपी निवेश 3,122 करोड़ से बढ़कर 31,000 करोड़ हो गया, जो यह दिखाता है कि भारतीय परिवारों ने सोने और संपत्ति से हटकर शेयर बाजार में निवेश करना शुरु किया है। वर्ष 2026 में आने वाला आठवां वेतन आयोग बीते सभी वेतन आयोगों से अलग और सबसे बड़ा बदलाव लाने वाला साबित हो सकता है। इस बार सिर्फ वेतन वृद्धि ही नहीं, बल्कि तीन बड़े बदलाव एक साथ हो रहे हैं। पहला, केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी बढ़ेगी, जिससे करीब 50 लाख कर्मचारियों और 65-70 लाख पेंशनर्स को 30-50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी मिल सकती है। यह पैसा मुख्य रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में खर्च होगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी। दूसरा, राज्य सरकारें भी खर्च बढ़ाएंगी क्योंकि राज्यों के लगभग 80 लाख कर्मचारी भी वेतन बढ़ोतरी का लाभ उठाएंगे। कुल मिलाकर, केंद्रीय और राज्य कर्मचारियों के लिए यह रकम 7-8 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है, जो सीधे अर्थव्यवस्था में बंपर पैसा डालेगी। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए नए श्रम कानून के कारण आएगा, जिसने सैलरी स्ट्रक्चर को बदल दिया है। अब मूल वेतन और महंगाई भत्ता (बेसिक +डीए) कुल सीटीसी का कम से कम 50 प्रतिशत होना अनिवार्य हो गया है। इससे भविष्य निधि (पीएफ) और सेवानिवृत्ति बचत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, 50,000 सैलरी वाले कर्मचारी का पीएफ 3,600 से बढ़कर 6,000 तक हो सकता है। यह बदलाव करीब 10 करोड़ कर्मचारियों को प्रभावित करेगा और लंबी अवधि में लाखों करोड़ की बचत बनाएगा। इस अतिरिक्त धन का खर्च विभिन्न वर्गों में अलग-अलग तरीके से होगा। मध्यम आय वर्ग पैसे को कार, घर, यात्रा, एसआईपी और अन्य निवेशों के साथ-साथ निजी शिक्षा पर खर्च करेगा। वहीं, निम्न आय वर्ग खाना, गैस, मोबाइल, बच्चों की पढ़ाई, छोटे ऋणों की ईएमआई चुकाने और अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर खर्च करेगा। यही तेजी से घूमने वाला पैसा अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा। आठवें वेतन आयोग से कई प्रमुख सेक्टरों को सबसे बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। ऑटो सेक्टर में कारों और टू-व्हीलर्स की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आवास और ऋण क्षेत्र में होम लोन और रियल एस्टेट बाजार में तेजी देखी जाएगी। म्यूचुअल फंड और एसआईपी में लंबी अवधि के निवेश में और उछाल आने की प्रबल संभावना है। एफएमसीजी और उपभोक्ता सामान क्षेत्र में हिंदुस्तान यूनीलीवर, डाबर और वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को लाभ मिल सकता है। साथ ही, फाइनेंस और माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में बजाज फाइनेंस, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और छोटे बैंक मजबूत होने है।

सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,304 पर बंद निफ्टी में 195 अंक की तेजी रही ऑटो और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

निवेशकों को 7 लाख करोड़ का मुनाफा

मुंबई।

शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत हरियाली से हुई है। सोमवार को सेंसेक्स 639 अंक की तेजी के साथ 77,304 पर बंद हुआ। निफ्टी में 195 अंक की बढ़त रही, ये 24,093 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, आईटी, मेटल, मीडिया और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। शेयर बाजार में आई शानदार तेजी की वजह से निवेशकों के पोर्टफोलियों में शानदार तेजी देखने को मिला। बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 461 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 468 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यानी कि निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। सन फार्मा के शेयर में सोमवार को 6.83 प्रतिशत की तेजी रही।

कंपनी ने जानकारी दी है कि वह अमेरिका की ऑर्गेनॉन एंड कंपनी को खरीदने जा रही है। यह पूरी डील 11.75 बिलियन डॉलर

(करीब 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा) की वैल्यू पर पूरी तरह कैश में होगी। कच्चा तेल 106 डॉलर के पार ट्रेड कर रहा ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 106 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है। हॉर्मुज को तेल की सप्लाई के लिए सबसे अहम रास्ता माना जाता है।

वरुण बेवरेजेज का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा बढ़कर 879 करोड़

नई दिल्ली ।

खाद्य एवं पेय कंपनी पेप्सीको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी बॉटलर वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) का जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में मुनाफा 20.14 फीसदी बढ़कर 878.71 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि से समर्थित रही। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 में 731.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सालाना आधार पर 18.33 फीसदी बढ़कर 6,721.53 करोड़ रुपये हो गई। इस तिमाही के दौरान बिक्री मात्रा 16.3 फीसदी बढ़कर 36.34 करोड़ केस हो गई जो 2025 की इसी तिमाही में 31.24 करोड़ केस थी। जनवरी-मार्च तिमाही में कुल खर्च 18.35 फीसदी बढ़कर 5,597.92 करोड़ रुपये हो गया। अन्य आय सहित कुल एकीकृत आय 18.5 प्रतिशत बढ़कर 6,765.06 करोड़ रुपये रही।

एलएंडटी फाइनेंस ने दर्ज किया 3,003 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा

खुदरा ऋण में मजबूत वृद्धि, प्रति शेयर 2.75 रुपए लाभांश घोषित

मुंबई ।

देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एलएंडटी फाइनेंस ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित मुनाफा सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,003 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भी कंपनी का लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 807 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय परिणामों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी द्वारा दिया गया खुदरा ऋण 26 फीसदी बढ़कर 1,19,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चौथी तिमाही में खुदरा वितरण वार्षिक आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 24,107 करोड़ रुपये रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक वितरण है। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.75 रुपये के लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने अगले पांच साल के लिए अपनी महत्वाकांक्षी रणनीतिक योजना की भी घोषणा की है। एलएंडटी फाइनेंस तकनीक-आधारित निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि, 2 प्रतिशत से कम क्रेडिट लागत, 3-3.2 प्रतिशत का संपत्ति पर रिटर्न और 16-18 प्रतिशत का इक्विटी पर रिटर्न प्राप्त करना है।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भी एयरइंडिया ने बीमा प्रीमियम में की बढ़ोतरी?

प्रीमियम अब 33 मिलियन डॉलर हुआ जो पिछले साल के मुकाबले 10फीसदी ज्यादा

नईदिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून 2025 को एयर इंडिया का यात्री विमान एआई-171 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस गंभीर हादसे में 475 मिलियन डॉलर के क्लेम का सामना करने के बावजूद, टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने अपने एविएशन इंश्योरेंस को मामूली बढ़ोतरी के साथ रिन्यू किया है। कंपनी ने करीब 300 विमानों के बेड़े और 20 अरब डॉलर की संपत्ति को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी को नवीनीकृत किया, जिसका वार्षिक प्रीमियम अब करीब 33 मिलियन डॉलर हो गया है। यह पिछले साल के 30 मिलियन डॉलर से केवल 10फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब सवाल उठ रहा है कि इतने बड़े क्लेम और एक गंभीर हादसे के बावजूद बीमा दरों में बड़ी वृद्धि क्यों नहीं हुई। उद्योग से जुड़े सूत्रों और लंदन जैसे प्रमुख एविएशन इंश्योरेंस हब के विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी मुख्य वजह वैश्विक रीइंश्योरेंस बाजार का नरम रहना है। बाजार में पर्याप्त फंड और कंपनियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी हुई है, जो बड़े नुकसान के बाद भी एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस के लिए प्रीमियम में तेज बढ़ोतरी को रोक रही है। एयरलाइन की देनदारी कवर पहले की तरह करीब 1.5 अरब डॉलर पर स्थिर है। वैश्विक बीमा बाजार की वर्तमान स्थिति, विशेषकर एविएशन सेक्टर में, ऐसी है कि बड़े नुकसान भी तत्काल प्रीमियम दरों पर व्यापक असर नहीं डालते। सूत्रों का कहना है कि इस बार एयर इंडिया को रिन्यूअल के दौरान एक बार का अतिरिक्त खर्च जरूर वहन करना पड़ा, लेकिन इसके अलावा प्रीमियम में कोई खास बढ़ोतरी नहीं की गई। पिछले साल कवर देने वाली बीमा और रीइंश्योरेंस कंपनियों ने इस बार भी वही शर्तें जारी रखीं। एयर इंडिया की इस पॉलिसी में टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस (45फीसदी), आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस (7फीसदी), न्यू इंडिया एश्योरेंस (32फीसदी) और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी (14फीसदी) जैसी प्रमुख भारतीय बीमा कंपनियां शामिल हैं। इस पॉलिसी का करीब 95फीसदी हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रीइंश्योर किया गया है, जिसमें एआईजी, एक्सा और एलायंस जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां और जीआईसी री भी भागीदार हैं। ग्लोबल एविएशन ब्रोकिंग कंपनी विलिस के मुताबिक 2025 एयरलाइन बीमा कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि इस दौरान कई महंगे क्लेम आए। फिर भी, प्रीमियम पर सीधा असर इसलिए नहीं पड़ा क्योंकि बाजार में पर्याप्त क्षमता है और हर क्लेम में सभी बीमा कंपनियां शामिल नहीं होतीं। हालांकि, जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक वित्त 2026 में भारतीय बीमा कंपनियों का कुल सकल प्रीमियम मामूली रूप से 0.8फीसदी घटकर 1,089.27 करोड़ रुपए रह गया, जिसमें न्यू इंडिया एश्योरेंस का योगदान सबसे अधिक था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मौजूदा स्थिरता वैश्विक बाजार में उपलब्ध पर्याप्त क्षमता के कारण है, लेकिन अगर बड़े और महंगे हादसे लगातार होते रहे, तो यह कम कीमत पर जोखिम कवर करने की स्थिति बदल सकती है और बाजार अचानक सख्त हो सकता है। भविष्य में रीइंश्योरेंस की बढ़ती लागत और साइबर सुरक्षा जैसे नए खतरे भी प्रीमियम दरों को प्रभावित कर सकते हैं।

पेटीएम को नए अवसर बर्नस्टीन का भरोसा बरकरार

ब्रोकरेज कंपनी ने 1,500 के लक्ष्य मूल्य के साथ 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग दोहराई

नई दिल्ली ।

वैश्विक ब्रोकरेज बर्नस्टीन ने पेटीएम पर अपना भरोसा दोहराते हुए कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से जुड़े हालिया नियामकीय घटनाक्रम का पेटीएम के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे नए अवसर खुल सकते हैं। ब्रोकरेज ने 1,500 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग बरकरार रखी है, जो करीब 31 प्रतिशत की संभावित बढ़त का संकेत देता है। बर्नस्टीन ने कहा कि नियामक द्वारा पेमेंट्स बैंक लाइसेंस पर कार्रवाई एक क्रमिक घटनाक्रम है। पेटीएम ने 2024 की शुरुआत में नियामकीय कार्रवाई के बाद ही पेमेंट्स बैंक और मूल कंपनी के बीच स्पष्ट अलगाव स्थापित कर लिया था। ब्रोकरेज के अनुसार, पीपीबीएल का संचालन एक वर्ष से अधिक समय से निलंबित होने के कारण पेटीएम के आंकड़ों पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

पेटीएम ने पहले ही पेमेंट बैंक में अपने निवेश को बट्टे खाते में डाल दिया था, जिससे कोई एकमुश्त वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। बर्नस्टीन निकट भविष्य के घटनाक्रमों से आगे बढ़ते हुए पेटीएम के लिए रणनीतिक अवसर देख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटनाक्रम कंपनी के लिए गैर-

बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) या पीपीआई (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट) जैसे वैकल्पिक नियामकीय ढांचे अपनाने का रास्ता खोल सकता है। इधर, वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम) ने शेयर बाजार को सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने दोहराया कि उसकी कोई भी सेवा पीपीबीएल से जुड़ी नहीं है, और पेटीएम ऐप, पेटीएम यूपीआई सहित सभी पेशकश सामान्य रूप से जारी रहेंगी।

डिजिटल लेंडर किश्त का आईपीओ मूल्य दायरा तय, 162-171 रुपए प्रति शेयर

926 करोड़ का आईपीओ 30 अप्रैल को खुलेगा, 8 मई को सूचीबद्ध होगा

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऋण प्रदान करने वाले मंच किश्त का संचालन करने वाली वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने 926 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा निर्धारित कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को घोषणा की कि उसके आईपीओ के लिए प्रति शेयर 162-171 रुपए का मूल्य दायरा तय किया गया है। यह आईपीओ 30 अप्रैल को खुलेगा और 5 मई को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 29 अप्रैल को बोली लगा पाएंगे। इस आईपीओ में 850 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 76 करोड़ रुपए के 44,39,788 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। कंपनी के शेयर 8 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में आया

उछाल 48 फीसदी की आई तेजी

मुंबई।

भारत के उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 30.07 रुपए पर पहुंच गए। रिलायंस पावर के शेयर पिछले एक महीने में 41 फीसदी से ज्यादा उछल गए। वहीं, 30 मार्च के बाद से रिलायंस पावर के शेयरों में 48 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। अनिल की पावर कंपनी का मार्केट कैप सोमवार को 12300 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। रिलायंस पावर के शेयर 52 हफ्ते के अपने निचले स्तर से 48 फीसदी उछले। रिलायंस पावर के शेयर 30 मार्च 2026 को 20.23 रुपए पर जा पहुंचे थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2026 को बीएसई में 30.07 रुपए पर पहुंच गए। पिछले 5 दिन में रिलायंस पावर के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। अगर पिछले 6 महीने की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 32 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। पिछले एक साल में पावर कंपनी के शेयर 27 फीसदी लुढ़क गए हैं। अनिल अंबानी की यह कंपनी पावर जेनरेशन इंडस्ट्री से जुड़ी है। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर पिछले 6 साल में 1430 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 1.95 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2026 को 30.07 रुपए पर जा पहुंचे। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 515 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया। कंपनी के शेयर इस अवधि में 4.85 रुपए से बढ़कर 30 रुपए के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 3 साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 145 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 20.23 रुपए है। रिलायंस पावर अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है।

कंपनी ने मई 2008 में अपने निवेशकों को 3:5 के रेशियो में बोनस शेयर दिए यानी पावर कंपनी ने अपने शेयरधारकों को हर 5 शेयर पर 3 बोनस शेयर बांटे। रिलायंस पावर में प्रमोटर की हिस्सेदारी 24.98 फीसदी है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 75.02 फीसदी है।

क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी बन सकती है महंगी आफत

आरबीआई के आंकड़ों में क्रेडिट कार्ड से खर्च में 6 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय मध्यम वर्ग के लिए क्रेडिट कार्ड अब सिर्फ खरीदारी का साधन नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का अभिन्न अंग बन चुका है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि फरवरी 2026 में क्रेडिट कार्ड से खर्च बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले साल से 6 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस बढ़ती सुविधा के बीच एक आदत ऐसी भी है जो आपकी वित्तीय सेहत पर भारी पड़ सकती है- क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी। फरवरी 2026 में जहां कुल क्रेडिट कार्ड लेनदेन में 6 फीसदी की वृद्धि देखी गई, वहीं इसी अवधि में क्रेडिट कार्ड से 364.26 करोड़ रुपये नकद निकाले गए।

यह एक ऐसी सुविधा है जो असल में आपकी जेब पर सबसे महंगा बोझ डालती है। क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने पर आपको अक्सर 45-50 दिनों का ब्याज-मुक्त समय मिलता है, लेकिन नकद निकासी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता। जिस पल आप एटीएम से पैसे निकालते हैं, उसी दिन से 36 से 48 फीसदी तक का भारी-भरकम सालाना ब्याज लगना शुरू हो जाता है। इसके अतिरिक्त, निकाली गई राशि पर 2.5 फीसदी से 3 फीसदी (न्यूनतम 300-500 रुपये) का कैश एडवांस शुल्क भी लगता है। इतना ही नहीं, क्रेडिट कार्ड से बार-बार नकद निकालना बैंक की नज़र में आपकी वित्तीय अस्थिरता को दर्शाता है, जिससे आपका सिबिल स्कोर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है और भविष्य में अन्य ऋण प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। यदि आपको तत्काल नकद की आवश्यकता है, तो क्रेडिट कार्ड के बजाय हमेशा एक आपातकालीन फंड बनाने, कम ब्याज वाला पर्सनल लोन लेने या छोटे खर्चों के लिए बाय नाउ पे लेटर जैसे सुरक्षित विकल्पों पर विचार करें।

हिंदुस्तान जिंक का विस्तार कार्यक्रम वैश्विक जिंक उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने तैयारी

कंपनी 50-60 करोड़ डॉलर के पूंजीगत व्यय से 3-4 साल में उत्पादन दोगुना करेगी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती इनपुट लागतों के बावजूद, हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के लिए कमर कस रहा है। कंपनी अगले 3 से 4 वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करने के लिए 50 से 60 करोड़ डॉलर का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम तैयार कर रही है। इसका प्राथमिक लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक बनना और चांदी व महत्वपूर्ण खनिजों के कारोबार का विस्तार करना है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति से इस साल जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा होने की आशंका है। यह जानकारी हिंदुस्तान जिंक के एक मुख्य अधिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में दी। अधिकारी के अनुसार कंपनी का लक्ष्य वर्तमान 10 लाख टन धातु उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक पहुंचाना है। इस विस्तार के साथ अकेले जिंक का उत्पादन लगभग 8 लाख टन से बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगा, जिससे हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक कंपनी बन जाएगी। कंपनी अधिक दक्षता वाली आधुनिक इकाइयां भी स्थापित कर रही है, जो उत्पादन लागत को कम करने में सहायक होंगी। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी वर्तमान 70 फीसदी से बढ़ाकर 80-90 फीसदी तक ले जाने की योजना है। कालांतर में निवेशक कंपनी से 1,200 से 1,500 टन के बीच चांदी उत्पादन की उम्मीद कर सकते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के कारण बढ़ती इनपुट लागत इस साल कंपनी के लिए एक चुनौती पेश कर रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की लड़ाई की वजह से जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा हो सकता है। वित्त वर्ष 2027 के दौरान, कंपनी ने जिंक लागत 975 से 1,000 डॉलर प्रति टन रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें यह जोखिम प्रीमियम शामिल है। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हुए उत्पादन नुकसान का भी जिक्र किया, जो नए आर6 रोस्टर की स्थापना में देरी के कारण हुआ था। इस देरी से उत्पादन प्रभावित हुआ, क्योंकि पुराने रोस्टर बंद होने वाले थे और नया तैयार नहीं था। हालांकि, दूसरी छमाही तक आर6 के सफलतापूर्वक चालू होने से कंपनी ने रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया और चुनौतियों का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया।

पीएनबी एफडी स्कीम 2 लाख पर 5 साल में मिलेगा 70,701 ब्याज

सीनियर सिटीजन को लगभग 6.90 फीसदी तक का मिल सकता है आकर्षक ब्याज

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) उन निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प लेकर आया है जो बाजार के उतार-चढ़ाव से बचकर सुरक्षित और स्थिर रिटर्न चाहते हैं। बैंक की 5 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम में निवेश कर आप बिना किसी जोखिम के अपनी पूंजी बढ़ा सकते हैं। यह योजना कम जोखिम पसंद करने वाले और सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प है। पीएनबी वर्तमान में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को लगभग 6.10 फीसदी वार्षिक ब्याज दे रहा है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को करीब 6.60 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन को लगभग 6.90 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज मिल सकता है।

हालांकि, निवेश से पहले बैंक से ताज़ा दरों की पुष्टि करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये बैंक की नीतियों के अनुसार बदल सकती हैं। यदि कोई सामान्य ग्राहक 2,00,000 रुपए की राशि 5 साल के लिए निवेश करता है, तो मैच्योरिटी पर उन्हें लगभग 70,701 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे कुल रकम 2,70,701 रुपए हो जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, समान निवेश पर अनुमानित ब्याज लगभग 77,445 रुपए होगा, और कुल मैच्योरिटी राशि 2,77,445 रुपए तक पहुंच सकती है। सुपर सीनियर सिटीजन को करीब 81,568 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे उनकी कुल

रकम 2,81,568 रुपए हो जाएगी। फिक्स्ड डिपॉजिट को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि इसमें निवेश के समय ही आपका रिटर्न स्पष्ट हो जाता है, जिससे वित्तीय स्थिरता और मन की शांति मिलती है।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

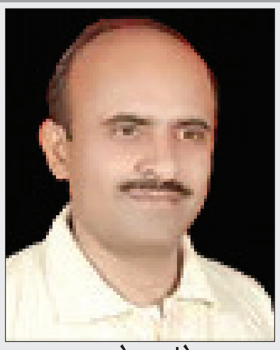
कमलेश पांडेय

अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक औ? हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव–ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क–कभी-कभी असुरक्षित–दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः

ट्रंप की राजनीति में 'हम बनाम वे' का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं–चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक–ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;

अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ

अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा 'प्रतिक्रियावादी' है, 'सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक' कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव–ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका 'कमजोर' नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

संपादकीय

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को ह्यरेड जोनह्न घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की ह्यचिट्टा विरोधी पदयात्राह्न और ह्यमहिला मंडलोंह्न की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

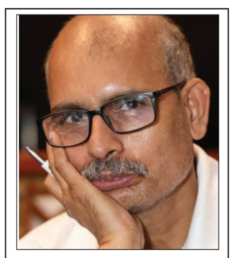
विनोद कुमार सिंह

वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न – चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है। यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है। यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं–दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी। इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस 'सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता' के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है। हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का 'राजा' बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दशार्ता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे 'आया राम,गया राम' की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दशार्ता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है। राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता। आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

संजय गोस्वामी

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कूशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामुक़्त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़े लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरुरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनोई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तित आरोप है इससे बचना चाहिए क्योंकि जब भी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के ऊपर जब भी किसी बिपक्षी पार्टी ने व्यक्तित आरोप लगाएं हैं तब तब उस पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है अतः राजनीति में व्यक्तित आरोप से बचना चाहिए। दरअसल बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री ऐसा चाहिए जो बीजेपी के हाई कमान की बात को माने और सही गलत जो भी हो उसकी मयार्दा का पालन करना है।

संक्षिप्त समाचार

कांगो में नई सरकार का एलान: अनातोले कोलिनेट माकोसो फिर बने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने की घोषणा

कांगो , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो गणराज्य में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत नई सरकार का आधिकारिक गठन हो गया है। राष्ट्रपति डेनिस सासो न्गुएसो ने नेशनल टेलीविजन पर एक विशेष संबोधन के माध्यम से देश की नई कैबिनेट की घोषणा की। इस नई व्यवस्था में अनातोले कोलिनेट माकोसो को एक बार फिर से प्रधानमंत्री की कमान सौंपी गई है। राष्ट्रपति न्गुएसो ने माकोसो पर पुन: विश्वास जताते हुए उन्हें देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी दी है। नई सरकार का स्वरूप काफी व्यापक रखा गया है। प्रधानमंत्री माकोसो के नेतृत्व वाली इस टीम में एक डिप्टी प्रधानमंत्री, तीन राज्य मंत्री और 37 मंत्रियों को जगह दी गई है। सरकार में अनुभव और निरंतरता को महत्व देते हुए कई पूर्व मंत्रियों को नई भूमिकाएं सौंपी गई हैं। इनमें से क्षेत्रीय योजना और बड़े कार्यों के पूर्व राज्य मंत्री जीन–जैक्स बौया को प्रमोट करते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और टेरिटोरियल प्लानिंग का इंचार्ज उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं, पियरे ओबा को राष्ट्रपति कार्यालय में राजनीतिक मामलों का प्रभारी राज्य मंत्री बनाया गया है। क्लाउड अल्फोंस न्सिलौ को कंस्ट्रक्शन, अर्बन प्लानिंग और हाउसिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पियरे माबियाला को सिविल सेवा, श्रम और सामाजिक संवाद विभाग का राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है। इस नई सरकार का गठन कांगो में हुए हालिया राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुआ है। कांगो के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना और नई सरकार का गठन करना अनिवार्य होता है। बता दें कि 15 मार्च को हुए राष्ट्रपति चुनाव में डेनिस सासो न्गुएसो ने 94.9 प्रतिशत के भारी बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, इस चुनाव में लगभग 84.65 फीसदी मतदाताओं ने हिस्सा लिया था। हालांकि, इस राजनीतिक प्रक्रिया के साथ विवाद भी जुड़े रहे हैं। चुनाव के दौरान विपक्ष की दो बड़ी पार्टियों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसका बहिष्कार किया था और धांधली के गंभीर आरोप लगाए थे। विपक्ष के कद्दावर नेता जनरल जीन–मैरी मिशेल मोकोको और आंद्रे ओकोम्बी सालिसा ने इस पूरी प्रक्रिया का पुरजोर विरोध किया। चुनाव के दिन राजधानी ब्राजाविल में ट्रैफिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और इंटरनेट सेवाएं भी पूरी तरह बंद कर दी गई थीं, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री माकोसो ने नई सरकार के गठन से पहले 17 अप्रैल को अपना इस्तीफा सौंपा था। जिसके बाद 23 अप्रैल को उन्हें आधिकारिक तौर पर दोबारा नियुक्त किया गया। अब उनके सामने न्गुएसो के विजन को धरातल पर उतारने की बड़ी चुनौती होगी।

दाऊद गैंग को लगा बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ खास गुर्गा सलीम डोला; खबरों में दावा- तुर्किये में पुलिस ने दबोचा

इस्तांबुल , एजेंसी। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने सलीम डोला की गिरफ्तारी की खबर की पुष्टि की है। डोला इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के दायरे में था। यह नोटिस भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुंबई पुलिस में दर्ज मामलों के आधार पर जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का सरगना माना जाता है कि सलीम डोला भारत भर में फैले कई गुप्त अड्डों और कारखानों का इस्तेमाल करके कई देशों में फैले एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग तस्करी नेटवर्क को चला रहा था। सूत्रों के अनुसार, वह दुबई से अपने ड्रग रैकेट को नियंत्रित करता था। रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी की पुष्टि होने से पहले एक भारतीय अधिकारी ने कहा था कि अगर डोला पकड़ा जाता है, तो उसके ड्रग तस्करी गिरोह के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने, जिन्होंने गुमनाम रहने की शर्त पर बात की, कहा, 'अगर डोला को हिरासत में लिया गया है, तो यह बहुत अच्छी खबर है और उसके तस्करी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।' सूत्रों ने बताया है कि सलीम डोला के ड्रग तस्करी नेटवर्क का सालाना कारोबार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का था। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की कुल कमाई का कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है ।पिछले साल, सलीम डोला के बेटे ताहिर डोला को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानीय अधिकारियों और इंटरपोल की मदद से हिरासत में लिया गया था। ताहिर डोला को जून 2025 में सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित किया गया था। इसके कुछ महीनों बाद, सलीम डोला के एक प्रमुख सहयोगी सलीम मोहम्मद सोहेल शेख को दुबई से निर्वासित कर मुंबई एंटी–नारकोटिक्स सेल ने कई मामलों में गिरफ्तार किया था। कई मामलों में वांछित सलीम डोला और उसके सहयोगियों के खिलाफ भारत में ड्रग तस्करी, निर्माण और अन्य अपराधों से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों का भी सामना कर रहे हैं।

चीन के चौथे परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर

'हे जियान' ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन

बीजिंग, एजेंसी। चीन की नौसेना ने समुद्र में अपना दबदबा बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपनी 77वीं वर्षगांठ के मौके पर एक नया वीडियो जारी किया है। इस खास चीन के नए विमान वाहक का वीडियो ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तटीय रक्षा से लेकर गहरे समुद्र तक चीनी नौसेना की बढ़ती ताकत इसमें दिखाई गई है।

इस वीडियो में पुराने जहाजों के अधिकारियों को नए लोगों को कंपास सौंपते दिखाया गया है। इसके साथ ही चौथे संभावित एयरक्राफ्ट कैरियर 'हे जियान' के निर्माण का भी बड़ा संकेत मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चीन का पहला पूरी तरह से परमाणु ऊर्जा संचालित जहाज होगा। इस नए जंगी जहाज के आने से अमेरिका और भारत जैसे देशों की रणनीतिक चिंताएं बढ़ेंगी।

हे जियान का संकेत

चीनी नौसेना के वीडियो में चौथे जहाज का नाम 'हे जियान' होने की मजबूत संभावना जताई गई है। चीनी भाषा में 'हे' शब्द का सीधा मतलब परमाणु ऊर्जा से जुड़ा हुआ माना जाता है। अगर यह सच है तो यह दुनिया में चीन की नौसैनिक ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा

डालियान शिपयार्ड की सैटेलाइट तस्वीरों में एक बहुत ही विशालकाय जहाज बनता हुआ साफ दिख रहा है। यह जहाज आकार में अमेरिका के जेराल्ड आर. फोर्ड श्रेणी के जंगी जहाजों के बिल्कुल समान है। इन तस्वीरों में जहाज पर परमाणु रिएक्टर रोकथाम जैसी संरचनाएं भी आसानी से देखी जा सकती हैं।

पारंपरिक जहाजों से अलग

वर्तमान में चीन के पास लियाओनिंग, शेडोंग और फुजियान नाम के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर मौजूद हैं। ये तीनों विमानवाहक पोत अभी तक पूरी तरह से पारंपरिक ईंधन की मदद से ही चलते हैं। लेकिन नया कैरियर चीन का पहला स्वदेशी और परमाणु ऊर्जा से संचालित होने वाला जहाज होगा।

फुजियान की खूबियां

पिछले साल नवंबर में चीन ने अपना तीसरा और सबसे आधुनिक कैरियर 'फुजियान' नौसेना में शामिल किया था। लगभग 80,000 टन वजनी यह जहाज अत्याधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल तकनीक से पूरी तरह लैस है। अब तक यह खास और उन्नत तकनीक केवल अमेरिकी नौसेना के जहाजों के पास ही मौजूद थी।

जहाजों की तुलना

चीन के पास इस समय कुल 234 जंगी युद्धपोतों का एक बहुत बड़ा और मजबूत बेड़ा है। यह संख्या सीधे तौर पर अमेरिका के 219 जहाजों की तुलना में काफी अधिक मानी जा रही है। हालांकि अमेरिका के पास अभी भी 11 परमाणु संचालित एयरक्राफ्ट कैरियर की जबरदस्त ताकत मौजूद है।

वैश्विक मार्गों पर नजर

विशेषज्ञों के अनुसार चीन अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण यह विस्तार तेजी से कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों पर अपना पूर्ण नियंत्रण और एकाधिकार स्थापित करना है। फुजियान के बाद चीन अब हिंद महासागर और अरब सागर में भी अपनी गश्त बढ़ा सकता है।

भारत के लिए चिंता

चीन जिबूती, ग्वादर और हंबनटोटा जैसे ठिकानों से भारत के समुद्री क्षेत्र में सक्रिय हो गया है। इन गतिविधियों ने भारतीय नौसेना के सामने कई नई और गंभीर सुरक्षा चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसके जवाब में भारत भी आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

कोलंबिया में हिंसक हमले जारी, बस में भीषण बम धमाके से गई सात की जान; कई घायल

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिम इलाके में शनिवार को एक बस में बम धमाका हुआ। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और 17 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। काउका प्रांत के गवर्नर ओक्टावियो गुजमैन ने बताया कि यह धमाका काजिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुआ। बस उस समय रास्ते पर चल रही थी जब उसमें रखा विस्फोटक फट गया। सेना के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है। उन्होंने इस हमले का जिम्मेदार इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जेम मार्टिनेज गुट को ठहराया। ये दोनों गुट पूर्व विद्रोही संगठन फार्क से अलग हुए समूह हैं। इन समूहों ने साल 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया था।

राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस हमले पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि काजिबियो में सात नागरिकों की हत्या करने वाले लोग आतंकवादी और ड्रग तस्कर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मरने वालों में कई लोग आदिवासी समुदाय के थे। यह हमला पिछले दो दिनों में हुई हिंसा की कई घटनाओं में से एक है। जनरल लोपेज के अनुसार, इस क्षेत्र में पिछले 48 घंटों में 26 आपराधिक घटनाएं हुई हैं।

शनिवार को ही अधिकारियों ने एल टैम्बो में विस्फोटक से लदे तीन ड्रोन मार गिराए। इससे पहले शुक्रवार को काली और पल्मिरा में सेना की यूनिट्स के पास दो गाड़ियों में धमाके किए गए थे। जमुंडी के ग्रामीण इलाके में एक पुलिस स्टेशन पर भी गोलीबारी हुई। अधिकारियों का कहना है कि काउका और वैले डेल काउका इलाके ड्रग तस्करी के बड़े केंद्र हैं। विद्रोही गुट बुएनावेंचुरा बंदरगाह तक जाने वाले रास्तों पर कब्जा करना चाहते हैं। इन रास्तों से मध्य अमेरिका और यूरोप में ड्रग्स भेजी जाती है। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि सरकार इन अपराधियों को कड़ा जवाब देगी। वैले डेल काउका की गवर्नर फ्रांसिस्का टोरो ने केंद्र सरकार से तुरंत मदद मांगी है। उन्होंने सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने और खुफिया अभियान तेज करने की अपील की। सरकार ने विद्रोही नेता मार्लोन को पकड़ने के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा के इनाम की घोषणा की है।

माली में इस्लामी उग्रवादियों ने फैलाया आतंक, कई जगहों पर हमलों को दिया अंजाम, भारत ने जारी की एडवाइजरी

माली , एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको और देश के अन्य शहरों में शनिवार को इस्लामी उग्रवादियों और अलगाववादियों ने कई स्थानों पर हमले किए। यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे बड़े हमलों में से एक था। अल-कायदा से जुड़ा एक आतंकवादी समूह, जकातत नसर अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

वहीं, पश्चिम अफ्रीकी देश माली में हालिया सुरक्षा घटनाओं के मद्देनजर भारत सरकार ने वहां रह रहे अपने नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने, सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

भारतीय दूतावास ने जारी किए सुरक्षा बरतने के निर्देश : माली की राजधानी बमाको में स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, 'माली के काटी और अन्य हिस्सों में हालिया सुरक्षा घटनाओं और हमलों की रिपोर्टों के कारण देश में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्क रहने, अधिकतम सावधानी बरतने, घर के अंदर रहने और समय-समय पर माली के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है।'

दूतावास ने यह भी बताया कि वह माली के अधिकारियों के साथ समन्वय में उभरती स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और आवश्यकतानुसार आगे के अपडेट जारी करेगा। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपनी वेबसाइट और दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से संपर्क में रहने का आग्रह किया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए भारतीय नागरिकों को दूतावास से +223 78486019/94793705 पर संपर्क करने की भी सलाह दी गई है।

कई जगहों पर इस्लामी उग्रवादियों ने किया हमला : जेएनआईएम ने अपनी वेबसाइट पर दावा किया कि ये हमले अजावाद लिबरेशन फ्रंट (एएलएफ) के साथ मिलकर किए गए थे, जो एक तुआरेग-नेतृत्व वाला अलगाववादी समूह है। इन हमलों में माली की राजधानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ मध्य और उत्तरी माली के चार अन्य शहरों को निशाना बनाया गया।

माली पहले से ही अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े संगठनों के साथ-साथ उत्तर में एक अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। मालियाई सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने बमाको में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया। बाद में एक अन्य बयान में सेना ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

हवाई अड्डे के पास बरसाईं गोलियां : बमाको में एक समाचार एजेंसी के पत्रकार ने मोडिबो कीटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास से भारी हथियारों और स्वचालित राइफलों की लगातार आवाजें सुनीं। हवाई अड्डा माली के वायु सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक हवाई अड्डे के बगल में स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने भी गोलीबारी और तीन हेलीकॉप्टरों को इलाके में गश्त करते देखा।

मजाक में कही बात हो गई सच: आज रात गोलियां चलेंगी', ट्रंप पर हमले से पहले प्रेस सचिव ने कही थी कुछ ऐसी ही बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर के दौरान उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। घटना के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इतने हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान इस तरह की चूक को बड़ी विफलता माना जा रहा है। हालांकि सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

लेविट का बयान क्यों हो रहा वायरल? : हालांकि इस मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का एक बयान खूब चर्चा में आ गया है।

जहां उन्होंने एक पत्रकार से बातचीत में मजाक-मजाक में कहा था कि आज रात गोलियां चलने वाली है। लेविन ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति का भाषण क्लासिक डोनाल्ड जे. ट्रंप जैसा होगा। इस बयान को अब लोग घटना से जोड़कर देख रहे हैं और सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है।

वहीं कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर भी तैयारी चल रही थी और दर्शकों को टीवी पर कवरेज देखने के लिए कहा गया था। लेकिन गोलीबारी की घटना ने पूरे माहौल को बदल दिया और कार्यक्रम की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया। यह घटना अब जांच के घेरे में है और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हमलावर अंदर तक कैसे पहुंचा या हमला करने की कोशिश कैसे हुई।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज होकर पहले की तरह कब से गुजरेंगे जहाज? यूएस ने माइंस हटाने का काम शुरू किया

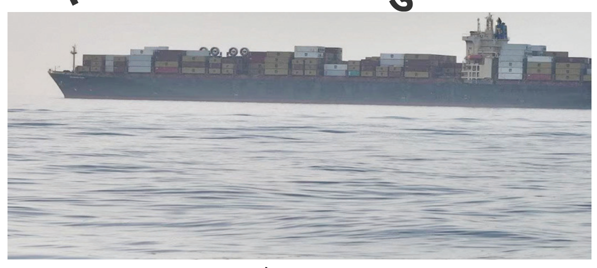

वाशिंगटन, एजेंसी। गोल्डमैन सैक्स रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से खुलने के कुछ ही महीनों के भीतर खाड़ी क्षेत्र का कच्चा तेल उत्पादन काफी हद तक ठीक हो सकता है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध-पूर्व के स्तर तक पूरी तरह से वापसी में समय लग सकता है। अगर यह महत्वपूर्ण जलमार्ग बंद रहता है तथा पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो कच्चे तेल के उत्पादन को और भी अधिक जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

रिसर्च में अनुमान लगाया गया है कि खाड़ी क्षेत्र का उत्पादन युद्ध-पूर्व के स्तर की तुलना में 14.5 मिलियन बैरल प्रति दिन यानी 57% तक गिर गया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि अगर तेल संपत्तियों पर नए सिरे से कोई हमला नहीं होता है और आने वाले महीनों में यह जलडमरूमध्य पूरी तरह से और सुरक्षित रूप से फिर से खुल जाता है, तो उत्पादन में तेजी से सुधार संभव है। उत्पादन में सुधार की गति परिवहन और कुओं से तेल निकलने की दर पर निर्भर करेगी। एक बार जब यह जलमार्ग फिर से खुल जाएगा, तो मुख्य बाधाएं पाइपलाइन की क्षमता, पहले से निकाले गए तेल को ले जाने के लिए खाली टैंकरों की उपलब्धता, और तेल क्षेत्रों में मरम्मत व रखरखाव के काम के लिए जरूरी सामग्री और कर्मचारियों को जुटाने से जुड़ी हो सकती हैं।

संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में उपलब्ध खाली टैंकरों की क्षमता में लगभग 50 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि पूरी तरह से ठीक होने में कई तिमाहियां लग सकती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिकी नौसेना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ईरानी बारूदी सुरंगों को हटाने का काम शुरू कर चुकी है। यह कदम वैश्विक तेल आपूर्ति को बहाल करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में है। समुद्र के नीचे बिछाई गई इन विस्फोटक सुरंगों को साफ करने में कम से कम 6 महीने लग सकते हैं।

कौन है कोल एलन? जिसने ट्रंप की डिनर पार्टी में बरसाई गोलियां

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर से ठीक पहले हुई फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कैलिफोर्निया के 31 वर्षीय टीचर कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। अधिकारियों ने उसे एक 'अकेला भेड़िया' और 'असामान्य व्यवहार वाला व्यक्ति' बताया है।डोनाल्ड ट्रंप ने घटना के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आरोपी के पास कई हथियार थे और वह डिनर स्थल में घुसने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने उसे वाशिंगटन हिल्टन के बॉलरूम के बाहर ही रोक लिया, जिससे बड़ी घटना टल गई।मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए हैं। उसे रोकने के दौरान सुरक्षाबलों ने गोली चलाई, जिसके बाद उसे काबू में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया।वॉशिंगटन डीसी की मेयर म्यूरियल बोसर ने पुष्टि की कि घटना में केवल एक ही व्यक्ति शामिल था और वह अकेले ही डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था। वहीं, यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो ने बताया कि एलन पर दो गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें हिंसा के दौरान हथियार का इस्तेमाल और एक अधिकारी पर खतरनाक हथियार से हमला शामिल है।

दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाले पाकिस्तान में बलूच कार्यकर्ताओं पर अत्याचार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूरे पाकिस्तान में मानवाधिकारों को लेकर एक गंभीर और नई बहस छेड़ दी है। दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाला यह देश अब अपने ही नागरिकों पर भारी अत्याचार कर रहा है। बलूच यकजेहती कमेटी की प्रमुख सदस्य फोजिया बलोच को कराची प्रेस क्लब से पुलिस ने अचानक हिरासत में लिया है। इस मनमानी और अवैध गिरफ्तारी का देश और दुनिया के तमाम प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने कड़ा विरोध किया है।

फोजिया बलोच अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने लापता भाई का मुद्दा उठाने प्रेस क्लब पहुंची थीं। उनके भाई दादशाह बलोच को 21 अप्रैल को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया था। लापता भाई की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करने से भी पुलिस ने पूरी तरह से इनकार कर दिया था। न्याय की मांग करने वाले परिवारों को डराया जा रहा है और उनकी आवाज को बेरहमी से दबाया जा रहा है।

प्रेस क्लब से गिरफ्तारी: फोजिया बलोच शनिवार को कराची प्रेस क्लब में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए पहुंची थीं। पुलिस ने उन्हें और उनके परिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से रोककर जबरन अज्ञात स्थान पर भेज दिया। बलूच यकजेहती कमेटी ने सरकार से फोजिया और उनके भाई दादशाह की तुरंत रिहाई की जोरदार मांग की है।

मानवाधिकारों का हनन : बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' ने पाकिस्तान सरकार की इस हरकत की कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि यह पीड़ित परिवारों की आवाज दबाने और उन्हें न्याय से वंचित करने की गहरी साजिश है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से पाकिस्तान की जवाबदेही तय करने की पुरजोर और गंभीर अपील की गई है।

महिलाओं पर अत्याचार : बलूच स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन आजाद ने अधिकारियों पर महिलाओं को गायब करने को सामान्य बनाने का आरोप लगाया है। संगठन के प्रवक्ता शोलन बलोच ने दावा किया कि इस साल करीब दो दर्जन बलूच महिलाओं को उठाया गया है। क्वेटा, कराची और खुजदार जैसे कई अलग-अलग इलाकों से महिलाओं को जबरन उठाकर कड़ी प्रताड़ना दी जा रही है।

आवाज दबाने की कोशिश : बलूच वॉयस फॉर जस्टिस ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान में असहमति के लिए सार्वजनिक जगह बहुत कम हो गई है। लापता लोगों की जानकारी मांगने वाले दुखी परिवारों को लगातार डराया और धमकाया जा रहा है। झूठे नैरेटिव गढ़कर बलूचिस्तान के शांतिपूर्ण आंदोलन को हर स्तर पर कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं।

पुलिस का रवैया : दादशाह बलोच के अपहरण के बाद परिवार ने तुरंत पुलिस में मामला दर्ज कराने की पूरी कोशिश की थी। पुलिस ने इस गंभीर मामले में किसी भी तरह की कानूनी शिकायत या रिपोर्ट लिखने से साफ मना कर दिया। इस रवैये से साफ जाहिर होता है कि सुरक्षा बल ही इन अपहरण की घटनाओं के पीछे मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

आंदोलन का भविष्य : फोजिया बलोच की रिहाई के लिए अब बड़ी संख्या में लोग अपना भारी विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। बलूच समुदाय का यह दर्द और आक्रोश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संगठनों का ध्यान भी खींच रहा है। अगर पाकिस्तान ने इस अत्याचार को नहीं रोका तो देश के भीतर बुनियादी अधिकारों का एक भयानक संकट खड़ा हो जाएगा।

लंबी उम्र पाने के लिए अपनी लाइफ पार्टनर को रखें खुश

एक रिसर्च ने किया दावा

यह तो सभी ने सुना है कि लंबी उम्र और अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए खुश रहना कितना अहम है, लेकिन हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि लंबी उम्र के लिए आपके खुश रहने के साथ साथ आपके जीवनसाथी का खुश रहना भी जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक नीदरलैंड की टिलबुर्ग यूनिवर्सिटी में अनुसंधानकर्ता ओल्गा स्तावरोवा ने कहा कि यह अध्ययन व्यक्ति के स्वास्थ्य पर उसके आस-पास के सामाजिक माहौल के असर को रेखांकित करता है। पत्रिका साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार जिन लोगों के जीवनसाथी सक्रिय जीवन जीते हैं, उनकी स्वयं की जीवनशैली भी सक्रिय रहने की संभावना होती है। स्तावरोवा ने कहा कि इसी तरह यदि आपका जीवनसाथी अवसादग्रस्त है और शाम को टीवी के सामने बैठकर चिप्स खाना पसंद करता है तो आपकी शामें भी संभवतः ऐसी ही होंगी।

स्तावरोवा ने अमेरिका के उन करीब 4400 दंपतियों के आंकड़ों का अध्ययन किया, जिनकी आयु 50 वर्ष से अधिक थी। आंकड़े एकत्र करने की शुरुआत के आठ साल बाद करीब 16 प्रतिशत प्रतिभागियों का निधन हो गया। जिन लोगों का निधन हुआ, वे जीवित प्रतिभागियों की तुलना में बुजुर्ग, कम शिक्षित, कम अमीर, शारीरिक रूप से कम सक्रिय और खराब स्वास्थ्य वाले थे। वे जीवित प्रतिभागियों की तुलना में संबंधों और जीवन में भी कम संतुष्ट थे और उनके जीवनसाथी भी जीवन से कम संतुष्ट थे। अध्ययन में पता चला कि जिन लोगों के जीवनसाथी अध्ययन की शुरुआत में जीवन में संतुष्ट थे, उनके मरने का खतरा अपेक्षाकृत कम था।

बहुत फायदेमंद है आम

आम, नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ जाता है। बच्चे हो या बड़े, आम सबको बहुत पसंद आता है। गर्मियों में पाया जाने वाला यह फल हम सब के मन को खूब भाता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हमारी सेहत के लिए भी बहुत लाभदायक होता है, आम के इन्हीं गुणों के कारण इसे फलों का राजा भी कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि आम खाने से क्या होता है, आम के औषधीय गुण क्या हैं, कच्चे आम के फायदे, आम की गुठली के फायदे, आम हमारी स्किन को कैसे सुंदर बनाता है, आम बालों को झड़ने से कैसे रोकता है, आम के नुकसान। आइए जानते हैं आम से होने वाले फायदों के बारे में

- आम हमारे शरीर के लिए दवा की तरह काम करता है। आम के अंदर बहुत मात्रा में विटामिन ए पाया जाता है, जो कि आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद है।
- आजकल बहुत कम उम्र के बच्चों की आंखे कमजोर हो जाती है, जिसके कई कारण होते हैं जैसे देर तक कंप्यूटर पर काम करना या हरी सब्जियों का सेवन न करना या कई अन्य कारण और जैसा कि हम जानते हैं, आम बच्चों के पसंदीदा फलों में से एक है तो इसका सेवन करने से उन्हें स्वाद भी मिल जाता है और सेहत में भी लाभ होता है।
- आम कई बीमारियों के लिए भी दवा कि तरह काम करता है जैसे यह कैंसर से लड़ने में हमारी मदद करता है क्योंकि इसमें पाये जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से जूझने में हमारी मदद करते हैं।
- आम के अंदर विटामिन ए, बी, सी, कॉपर, मैग्नीशियम, पोटैशियम पाए जाते हैं। अधिक मात्रा में पोटैशियम पाए से यह ब्लडप्रेशर को कायम रखने में लाभदायक है, चूंकि पोटैशियम ब्लडप्रेशर को सामान्य बनाए रखने के लिए आवश्यक है।
- यह हमारे शरीर में होने वाले इनफेक्शन से भी हमें बचाता है। आम में पाए जाने वाले जिंक और विटामिन सी हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में हमारी मदद करते हैं। विटामिन बी6 से भरपूर आम दिमाग को दुरुस्त बनाने में सहायक है।
- आम के फायदे केवल बच्चों या बूढ़ों के लिए ही नहीं, बल्कि यह गर्भवती महिलाओं के लिए भी दवा का काम करता है। आम में पाया जाने वाला विटामिन ए संक्रमण को रोकता है और नवजात शिशु में होने वाली आंखो की रोशनी से संबंधित समस्याओं को रोकने में भी सहायता करता है।
- आम सेहत के साथ -साथ त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है। आजकल महिलाओं को त्वचा से संबंधित समस्याएं होती हैं जैसे पिंपल्स होना या झुर्रियां आना या कई अन्य समस्याएं।
- गर्मियों में पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। बाजार में मिलने वाले फेस वॉश, स्क्रब, क्रीम, इन सब में कहीं न कहीं केमिकल्स होते हैं। पिंपल्स हटाने कच्चे आम का जूस इस्तेमाल करें। इसे झाइयां दूर करने में भी उपयोग किया जाता है।
- त्वचा टोन को निखारने में भी आम का इस्तेमाल किया जाता है। 'मैंगो और हनी फेस पैक ' लगाने से त्वचा फ्रेश दिखती है। इसके लिए आम के गूदे को निकालकर उसमें एक चम्मच शहद और आधा चम्मच बादाम तेल मिलाएं, फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ दें, फिर पानी से धो लें। आपकी त्वचा फ्रेश दिखेगी।
- आजकल महिलाओं में ब्लैकहेड्स की समस्या बहुत होती है। आम के फायदे ब्लैकहेड्स दूर करने में भी है। इसके लिए आम के गूदे, मिल्क पाउडर और शहद को मिलाकर स्क्रब बनाएं और हल्के हाथों से चेहरे पर 5 मिनट तक मसाज करें। फिर पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा चमकदार लगेगा।
- आजकल हम सब अपनी लाइफ में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपने आपको ही समय नहीं दे पाते। बालों से संबंधित समस्याएं भी आजकल साधारण बात है जैसे बालों का झड़ना, डेनड्रफ होना, बालों का सफेद होना आदि।
- क्या आप जानते हैं कि आम भी बालों की समस्याओं को दूर करने में हमारी मदद करता है। इसका उपयोग कई तरह से किया जा सकता है जैसे बालों के विकास के लिए। हर महिला लंबे और घने बाल चाहती है।
- इसके लिए पके हुए आम के गूदे को दही, अलोवेरा, शहद या किसी अन्य प्राकृतिक चीज के साथ मिलाएं, इस हेयर पैक को आप हफ्ते में एक बार जरूर लगाएं, इसे आपको फर्क दिखेगा। बालों पर लगाने से पहले एक पैच टेस्ट जरूर करके देख लें। इस हेयर पैक का उपयोग बालों को डेंड्रफ से बचाने के लिए किया जाता है।
- आजकल बालों का सफेद हो जाना भी साधारण सी बात है। इससे बचने के लिए पके हुए आम के गूदे को अपने बालों में लगाएं, इससे बालों का सफेद होना कम हो जाएगा। इसका प्रयोग हम हफ्ते में एक बार कर सकते हैं।
- पोल्यूशन की वजह से हमारे बाल डल हो जाते हैं, इसके लिए भी मैंगो हेयर पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा भी आम, दोमुहे बालों को ठीक करने, बालों को घना बनाने, उलझे हुए बालों को ठीक करने, बालों को पतला होने से बचाने और इससे संबंधित अन्य समस्यायों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

रेसिपी

वॉटरमेलन शेक

सामग्री

- तरबूज: 2 कप (बीज निकालकर टुकडों) में कटा
- दूध: 1 कप
- वनिला आइसक्रीम: 2 स्कूप
- चीनी: 2 टीस्पून
- बर्फ: 4 टीस्पून (कुटी हुई)

विधि

सबसे पहले तरबूज के कुछ टुकडों को छोड़कर बाकि सभी टुकड़ों को मिक्सर जार में डालकर बारीक पीसकर प्यूरी बना लें। फिर इसमें चीनी और दूध डालें और फिर से एक मिनट तक पीस लें, जिससे चीनी अच्छे से घुल जाए। इसके बाद बचे हुए तरबूज के टुकड़ों को बारीक काट लें। फिर इसे सर्विंग गिलास में डालें और ऊपर से एक स्कूप आइसक्रीम और तरबूज और दूध की प्यूरी डालने के बाद ऊपर से एक टीस्पून कुटी हुई बर्फ और थोड़ी सी आइसक्रीम डालकर सर्व करें।

चीकू बर्फी

सामग्री

- चीकू: 5 से 6
- घी: 2 टेबलस्पून
- दूध: 2 कप
- चीनी: 4 से 5 टी स्पून
- बादाम-पिस्ता: 2 टेबलस्पून (बारीक कटे)
- इलायची पाउडर: आधा टीस्पून

विधि

चीकू का पल्प निकल लें और उसका पेस्ट बना लें। अब एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें चीकू का पेस्ट डालकर घी छोड़ने तक भून लें। अब इसमें दूध डालें और गाढ़ा होने तक पका लें। फिर इसमें चीनी डालकर तब तक पकाएं, जब तक मिक्सचर एक गूंथे आटे की तरह न हो जाए। अब इसमें इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स करें और घी लगाकर चिकनी की हुई प्लेट में निकाल लें। अब इसके ऊपर से बादाम और पिस्ता डालकर फ्रिज में एक घंटे के लिए रख दें। एक घंटे बाद इसे निकालें और मनचाहे शेप में काट कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

हंसी के फव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

▯ ▯ ▯

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

▯ ▯ ▯

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

▯ ▯ ▯

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

▯ ▯ ▯

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा-'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

काकुरो पहेली - 4037

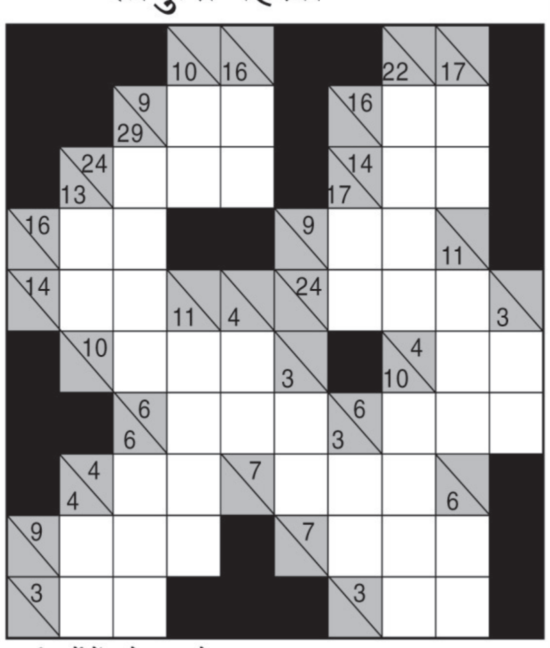

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

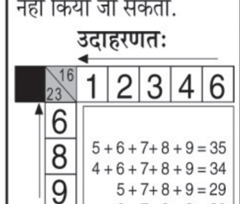

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4036 का हल

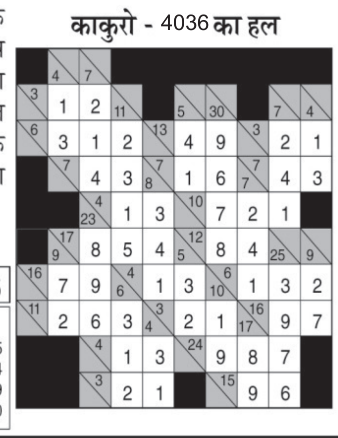

फिल्म वर्ग पहेली -4037

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली -4036

सूडोकु 4037

8	2	5		6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4036 । हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली -4037

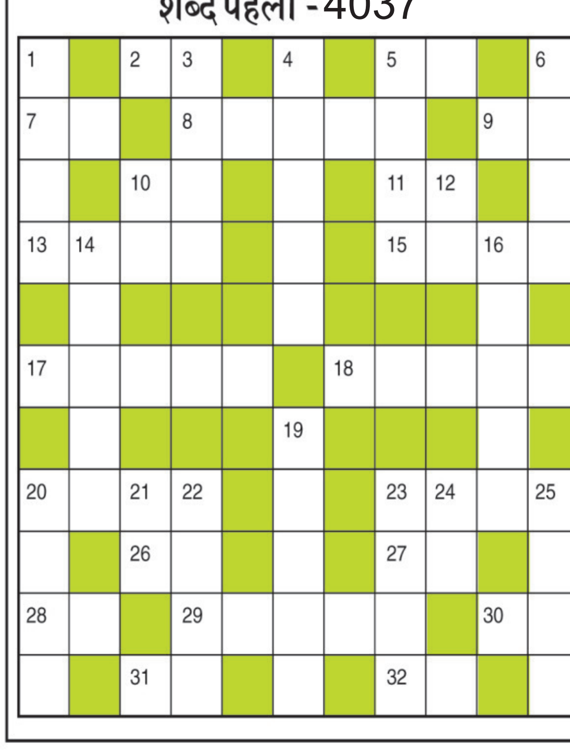

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -673 4036 का हल

तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी राष्ट्रों की शक्ति: जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से भारत न केवल विकसित राष्ट्र बनेगा बल्कि वैश्विक प्रगति को भी नई दिशा देगा। आने वाले दशकों में किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी। डॉ. सिंह ने यह बात लॉस एंजिल्स में वर्चुअल माध्यम से आयोजित 'अखिल-आईआईटी पूर्व छात्र सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के प्रौद्योगिकी नेता, उद्यमी, निवेशक और शोधकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रगति को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करना होगा। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं रहा बल्कि एक वैश्विक नवप्रवर्तक के रूप में उभर रहा है। साल 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी नींव हैं। अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार, जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और डीप-टेक स्टार्टअप्स का उदय भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति के जीवंत प्रमाण हैं।

भारतीय प्रवासियों, विशेष रूप से आईआईटी के पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए मंत्री ने उन्हें भारत और वैश्विक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि निवेश, मार्गदर्शन और नीतिगत भागीदारी के माध्यम से प्रवासी भारतीय देश के विकास पथ को निरंतर मजबूत कर रहे हैं। डॉ. सिंह ने उभरते हुए क्षेत्रों जैसे सेमी कंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और क्वांटम प्रौद्योगिकियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन के लिए अनिवार्य बताया।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध, महिला ने बैरिकेड पार कर की मंच पर चढ़ने की कोशिश

एजेंसी

हुगली। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दौरान एक महिला ने बैरिकेड पार कर मंच तक पहुंचने की कोशिश की। मौके पर अफरा-तफरी मच गई, सुरक्षा कारणों से उसे मंच पर चढ़ने नहीं दिया गया और पुलिस ने उसे तुरंत वहां से हटा दिया। घटना आरामबाग सांगठनिक जिले के हरिपाल में हुई, जहां प्रधानमंत्री सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक महिला अचानक बैरिकेड पार कर मंच की ओर बढ़ने लगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, महिला पार्टी की ही एक कार्यकर्ता बताई जा रही है। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि महिला प्रधानमंत्री के पास पहुंचने की जिद पर अड़ गई और जमीन पर लेटकर 'जाने दो' की मांग करती रही। इसके बाद पुलिस और पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने मिलकर उसे वहां से हटाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया और महिला को उठाकर सभा स्थल से बाहर ले जाया गया। इस बीच प्रधानमंत्री की नजर भी इस घटना पर पड़ी, हालांकि कुछ ही समय में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और सभा सुचारू रूप से जारी रही।

कोलकाता में अरविंद केजरीवाल ने किया तृणमूल उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार, भाजपा पर बरसे

हुगली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बीच आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कोलकाता के बेलियाघाटा में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार कुणाल घोष के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने जहां भाजपा पर कई आरोप लगाए वहीं वाम दलों और कांग्रेस को वोट न देने की अपील की। केजरीवाल ने तृणमूल कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई आसान नहीं है और इसके लिए हिम्मत की जरूरत होती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी पार्टी और वे खुद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के वादों को लेकर भाजपा पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली चुनाव के दौरान भी इसी तरह के वादे किए गए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अब वहां महिलाओं को हर महीने तीन हज़ार रुपये देने की बात कही जा रही है, लेकिन ये वादा भी पूरा नहीं होगा। सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस और वामपंथी दल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि वोट काटने के लिए मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वाम को वोट देकर अपना वोट बर्बाद न करें। अगर विपक्ष के वोट बंटे, तो इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। इसलिए तृणमूल उम्मीदवार को ही जिताएं।

चांपदानी में तेजस्वी यादव की जनसभा, भाजपा पर तीखा हमला

हुगली। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चांपदानी स्थित जोड़ा मंदिर मैदान में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार अरिंदम गुइन के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शिरकत की और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने जनता से 29 अप्रैल को अरिंदम गुइन के पक्ष में मतदान करने की अपील की और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हाथ मजबूत करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल एक उम्मीदवार का नहीं, बल्कि विचारधारा की लड़ाई है। तेजस्वी यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी राजनीति नफरत और समाज को बांटने पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इनका काम हिंदू-मुसलमानों के बीच तनाव पैदा करना और लोगों को बांटना है, जबकि सरकार का काम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार उपलब्ध कराना तथा समाज में सौहार्द बनाए रखना होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री को सत्ता से हटाने के लिए केंद्र ने अपनी पूरी मशीनरी लगा दी, लेकिन इसके बावजूद वे सफल नहीं हो पाए हैं। सभा के दौरान बड़ी संख्या में तृणमूल समर्थक मौजूद रहे, जिससे पूरे इलाके में चुनावी माहौल और भी गरम हो गया।

मुंबई से भोपाल पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट तकनीकी खराबी आने के बाद रद्द, परेशान हुए 175 यात्री

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के राजा भोज अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर मुम्बई से आए एयर इंडिया के विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। फ्लाइट रद्द होने से भोपाल विमानतल पर करीब 175 यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट भोपाल के लिए रवाना हुई एयर इंडिया की फ्लाइट एआई -633 ने रास्ते में ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को तकनीकी समस्या की जानकारी दी, जिसके बाद भोपाल एयरपोर्ट पर तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए। एयर ट्रैफिक कंट्रोल, एयरलाइन ग्राउंड स्टाफ, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट की फायर एंड रेस्क्यू टीम ने समन्वय बनाते हुए आवश्यक तैयारियां कीं। फ्लाइट में कुल 175 लोग सवार थे, जिनमें 166 यात्री और नौ क्रू मेंबर शामिल थे। विमान ने दोपहर 3:20 बजे भोपाल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। भोपाल एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी के कारण विमान को उड़ान के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया गया। इसके बाद एहतियातन एयर इंडिया ने भोपाल से मुंबई जाने वाली वापसी फ्लाइट एआई-634 को रद्द कर दिया, ताकि विमान की विस्तृत जांच और जरूरी मरम्मत की जा सके।

दिल्ली विधानसभा की 'युवा संपर्क पहल' 75 कॉलेज छात्रों की यात्रा के साथ शुरू हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने के प्रयास में, दिल्ली विधानसभा ने एक साप्ताहिक 'युवा आउटरीच कार्यक्रम' शुरू किया। यह स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की एक पहल है, जिसके तहत 75 कॉलेज छात्रों के पहले बैच की मेजबानी की गई। एक अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत विधानसभा में आने वाले छात्रों का पहला बैच महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, गीता कॉलोनी से आया था। यह कार्यक्रम एक ऐसा लगातार चलने वाला ढांचा तैयार करता है, जिसके तहत विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों के छात्र हर शनिवार को असेंबली का दौरा करेंगे, ताकि उन्हें विधायी कामकाज का सीधा अनुभव मिल सके। बयान में कहा गया है कि इस दौरे के दौरान छात्रों को दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक विकास के बारे में बताया गया; इसमें 1912 में बनी मौजूदा इमारत का महत्व भी शामिल था, जिसमें पहले केंद्रीय विधानसभा हुआ करती थी।

विट्ठलभाई पटेल की विरासत और 1993 में फिर से स्थापित होने के बाद से लोकतांत्रिक शासन के एक मंच के रूप में असेंबली की लगातार भूमिका का भी जिक्र किया गया। बयान में बताया गया कि इस कार्यक्रम में विधायी प्रक्रियाओं और संस्थागत कामकाज पर एक व्यवस्थित ओरिएंटेशन (परिचय सत्र) भी शामिल था। इस मौके पर 'एक शताब्दी यात्रा' नाम की एक यादगार कॉफी टेबल किताब पेश की गई, और असेंबली के संस्थागत इतिहास पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, जिसमें पद्म भूषण से सम्मानित अनुपम खेर ने अपनी आवाज दी है।

इस दौरे में विधानसभा का एक गाइडेड टूर भी शामिल था, जिससे छात्रों को इसके कामकाज का सीधा अनुभव मिला।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में सांसद रवि किशन के चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल व भाजपा में झड़प

एजेंसी

हावड़ा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच उत्तर हावड़ा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में दोपहर अभिनेता व सांसद रवि किशन के प्रचार के दौरान तृणमूल कार्यकर्ताओं ने 'जय बांग्ला' के नारे लगाए। इससे भाजपा और तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। कार्यकर्ताओं के बीच नारेबाजी के बाद स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों में झड़प और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। सूत्रों के अनुसार, दूसरे चरण के मतदान से पहले प्रचार के अंतिम उत्तर हावड़ा में भाजपा की ओर से एक रोड शो आयोजित किया गया था। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन भी मौजूद थे। रैली जैसे ही लिलुआ के बी रोड इलाके से गुजरी, तनाव बढ़ गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इलाके में तृणमूल कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यालय के पास इकट्ठा होकर 'जय बांग्ला' के नारे लगाए, जिसके जवाब में भाजपा समर्थकों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई। भाजपा का आरोप है कि उनकी रैली को रोकने की कोशिश की गई और तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उनके झंडे हटाकर वहां अपने झंडे लगा दिए। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा की रैली के दौरान उनके पार्टी कार्यालय पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस के अनुसार फिलहाल

स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि इलाके में तनाव और भय का माहौल बना हुआ है। भाजपा उम्मीदवार उमेश राय ने आरोप लगाया कि रैली के दौरान तृणमूल कार्यकर्ताओं ने झंडे फाड़े और 'जय बांग्ला' के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि यह तृणमूल की राजनीतिक संस्कृति को दर्शाता है। वहीं तृणमूल उम्मीदवार गौतम चौधरी ने भाजपा पर बाहरी लोगों को लाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया।

'देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं', पीएम मोदी ने लोगों से की जनगणना 2027 को सफल बनाने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जनगणना 2027 को मिलकर सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, 'देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। ये जनगणना का अभियान है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव अलग होने वाला है। जनगणना 2027 को डिजिटल बनाया गया है। सारी जानकारी सीधे डिजिटल माध्यम में दर्ज हो रही है। घर-घर जाने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल ऐप है। वे आपसे बात करके उसी में जानकारी दर्ज करेंगे।' देशवासियों से जनगणना में हिस्सा लेने की अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'इस बार जनगणना में आपकी भागीदारी भी आसान बनाई गई है, आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले

आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो आपको एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। बाद में जब कर्मचारी आपके घर आता है, तो आप यही आईडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती।' पीएम मोदी ने जनगणना की कि तीन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां गणना कर्मचारी की ओर से घरों के सूचीकरण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों का मकान सूचीकरण का कार्य पूरा भी हो चुका है। उन्होंने कहा, 'देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है।'

उन्होंने अपील करते हुए कहा, 'आपकी दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहती है। यह गोपनीय रखी जाती है। डिजिटल सुरक्षा के साथ इसे सुरक्षित किया जाता है। आइए, हम सब मिलकर इस प्रक्रिया में भाग लें।'

मप्र और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगी पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से पार्वती-काली सिंध-चंबल अंतरराज्यीय परियोजना (पीकेसी) को स्वीकृति मिली है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश और राजस्थान लाभान्वित होंगे। यह प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगा। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजस्थान के कोटा जिले के ग्राम रींछी में श्रीकृष्ण यदुवंशी अहीर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंबल मैया का आशीर्वाद मध्य प्रदेश और राजस्थान दोनों प्रांतों को मिल रहा है। हमारा प्रदेश अनेक नदियों के उद्गम के कारण नदियों का मायका है। मध्य प्रदेश और राजस्थान जोड़ीदार प्रदेश हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 संस्कारों

में पाणिग्रहण संस्कार शामिल है। विवाह ही कुल और गोत्र को आगे बढ़ाते हुए अमरता देते हैं। विवाह से जीवन साथी के साथ बेटियों को नए माता-पिता मिलते हैं। उन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में नव दंपतियों को आशीर्वाद और मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान में सामूहिक विवाह काफी उपयोगी है। मैंने अपने बेटे का विवाह सादगीपूर्वक किया था। परिवारों को खर्चीले विवाहों के कारण आर्थिक कष्ट उठाने होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने समाज का मार्गदर्शन किया। धर्म मार्ग पर चलने की सभी को प्रेरणा दी। अनेक कष्ट सहते हुए उनका जीवन एक उदाहरण बना। भगवान श्री कृष्ण ने लोकतंत्र की स्थापना का उदाहरण दिया था, जब कंस के वध के पश्चात स्वयं सत्ता नहीं सम्हाली। वे लोकतंत्र के सच्चे नायक थे। उन्होंने धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। मध्य प्रदेश सरकार श्रीकृष्ण पाथेय का विकास कर रही है। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाज के गौरव हैं। वे राजस्थान और मध्य प्रदेश को भाई-भाई मानते हैं। दोनों राज्यों की सरकारों ने सामूहिक प्रयास किया और आज पार्वती-काली सिंध-चंबल नदी परियोजना पर कार्य हो रहा है। पीकेसी परियोजना से मध्य प्रदेश के साथ राजस्थान के किसानों को भी सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। राजस्थान के विधायक महंत बाबा बालक नाथ ने कहा कि योगेश्वर श्री कृष्ण ने यदुवंशी कुल में जन्म लेकर पूरे समाज को धन्य किया। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में गरीब और पिछड़ा वर्ग के परिवारों को सामूहिक विवाह में शामिल कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। यदुवंशी समाज धर्म के मार्ग पर चलते हुए आगे बढ़ने वाला समाज है। सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से शादी विवाह में फिजूल खर्ची रुकी है।

हेमा मालिनी के हाथों वान्या शर्मा को मिला इंटरनेशनल योग अवॉर्ड 2026, देश का बढ़ाया मान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की नन्ही योग प्रतिभा वान्या शर्मा ने एक बार फिर भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्हें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल योग अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया, जो भव्य सिक्स सिग्मा अवॉर्ड्स 2026 समारोह में प्रदान किया गया। यह उपलब्धि कम उम्र में उनकी असाधारण मेहनत, अनुशासन और योग के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस खास पल को और भी यादगार बनाया दिग्गज अभिनेत्री और शास्त्रीय नृत्यांगना Hema Malini ने, जिनके कर-कमलों से वान्या शर्मा को यह सम्मान प्राप्त हुआ। यह क्षण समारोह का सबसे प्रेरणादायक और गौरवपूर्ण पल बन गया। इस भव्य आयोजन में कई प्रसिद्ध हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें Kailash Kher, Rajpal Yadav, Ganesh Acharya, Daler Mehndi, Jaya Prada और Sudha Chandran सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल रहे। वान्या शर्मा की यह उपलब्धि न केवल

उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी है। इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक बड़ा कदम है। वान्या शर्मा आज हर उस बच्चे के लिए प्रेरणा हैं, जो अपने सपनों को सच करने का हौसला रखता है।

मानहानि और जालसाजी केस: कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, असम पुलिस की एफआईआर को दी चुनौती

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। बता दें कि, गौहाटी उच्च न्यायालय ने मानहानि और जालसाजी के एक मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम पुलिस ने उनके खिलाफ दर्ज किया था। पवन खेड़ा ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, खेड़ा ने एक स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) दायर की है, और इस मामले को डायरी नंबर 25523/2026 के तौर पर रजिस्टर किया गया है। शाम करीब 6.26 बजे दायर की गई यह याचिका फिलहाल 'पेंडिंग' के तौर पर लिस्टेड है।

यह याचिका गौहाटी हाईकोर्ट की ओर से खेड़ा को गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार करने के दो दिन बाद आई है। जस्टिस पार्थिवज्योति सैकिया की सिंगल-जज बेंच ने फैसला सुनाया था कि कांग्रेस नेता 'गिरफ्तारी से पहले जमानत के विशेषाधिकार पाने के हकदार नहीं हैं।' गौहाटी हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा था कि इस मामले को सिर्फ मानहानि का मामला नहीं कहा जा सकता। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 339 के तहत पहली नजर में मामला बनने के सबूत मौजूद हैं।

पवन खेड़ा पर मानहानि और जालसाजी का केस

असम पुलिस ने उनके खिलाफ मानहानि और जालसाजी का मामला दर्ज किया था। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत कुमार सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा ने दर्ज कराया है। उन्होंने खेड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। खेड़ा ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि उनके पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं। साथ ही विदेशों में उनकी अघोषित संपत्ति भी है। इन आरोपों के बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने असम पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद असम और दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के आवास पर छापा मारा था। हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई से पहले पवन खेड़ा तेलंगाना पहुंच गए थे।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने दिया था ये निर्देश

फिर इस मामले में पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट में अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। इस पर तेलंगाना हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को गिरफ्तारी पर राहत देते हुए संबंधित कोर्ट में जाने का निर्देश दिया था। जिसके बाद असम पुलिस ने अग्रिम जमानत याचिका के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी, जिसके बाद पवन खेड़ा गौहाटी हाईकोर्ट पहुंचे थे। इसी मामले में उन्होंने अग्रिम जमानत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने देने से मना कर दिया था।

फोटो पत्रकार रघु राय के निधन, मंत्री नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली। फोटो पत्रकार एवं पद्मश्री से सम्मानित रघु राय का निधन हो गया। वह दो वर्षों से कैंसर से पीड़ित थे। उनके निधन पर जानी मानी हस्तियों ने शोक प्रगट किया है। वे 83 साल के थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उनकी नजर आम जीवन में भी असाधारण अर्थ खोज लेती थी। उन्होंने अपने कैमरे और तस्वीरों के माध्यम से ऐसी अनगिनत कहानियाँ कहीं, जो आज भी हमारी स्मृतियों में हैं। उनकी तस्वीरों ने भोपाल गैस त्रासदी की भयावहता से हमें झकझोरा। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। केंद्रीय संस्कृति एवम पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उन्होंने फोटोग्राफी को विधा में संवेदना की अनिवार्यता को परिभाषित किया। विश्व को भोपाल गैस त्रासदी के अथाह दर्द से उनके फोटोग्राफ्स ने बिना शब्दों के अवगत कराया। ईश्वर रघु जी की आत्मा को अपनी शरण प्रदान करें। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्होंने अपने हृदय और लेंस के माध्यम से भारत की आत्मा को कैद किया और रोजमर्रा के क्षणों को अनमोल रूप से संजोकर फोटोग्राफी के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

मप्र का कूनो नेशनल पार्क-चीतों का नया घर ही नहीं, अब बना सफल ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब चीतों का केवल आश्रय स्थल नहीं रहा, बल्कि एक सफल चीता प्रजनन केन्द्र के रूप में दुनिया भर में अलग पहचान बना चुका है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते यहां की जलवायु और पारिस्थितिकीय तंत्र में पूरी तरह से रच बस गये हैं।

कूनो की धरती अब आये दिन नन्हे शावकों की किलकारियों से गूंज रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लुप्त हो चुके चीतों के देश में फिर से बसाने का सपना 'प्रोजेक्ट चीता' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केन्द्र-राज्य के विभागों के समन्वय और प्रबंधन से वन्य-जीव संरक्षण के क्षेत्र में नये इतिहास लिखे जाने के साथ साकार हो रहा है।

जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने बताया कि प्रोजेक्ट चीता का प्रारंभिक चरण शुरुआती चुनौतियों से भरा हुआ था, लेकिन कूनो की आबोहवा और विभाग के विशेषज्ञों के कुशल प्रबंधन ने सभी चुनौतियों से पार पाते हुए वन्य-जीव संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी

परियोजना को लुप्त प्रजाति की पुनर्स्थापना का सफलतम पर्याय बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां और पर्याप्त शिकार चीतों के प्रजनन के लिए बेहद अनुकूल सिद्ध हुए हैं। मादा चीतों द्वारा लगातार शावकों को जन्म देना इस बात का प्रमाण है कि वे तनावमुक्त हैं और कूनो को अपना प्राकृतिक आवास मान चुकी हैं उन्होंने बताया कि अप्रैल 2026 में मादा चीता गामिनी ने 3 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। इससे पहले फरवरी-मार्च 2026 में ज्वाला, निर्वा और आशा भी शावकों को जन्म दे चुकी हैं। कूनो में चीतों की संख्या अब 57 हो चुकी है। 27 से अधिक शावकों का जन्म भारत में ही हुआ है, जो इस परियोजना की सबसे बड़ी सफलता है। वहीं, फरवरी 2026 में बोत्सवाना से 8-9 नए चीते लाए गए, जिससे परियोजना को और मजबूती मिली। कूनो का ब्रीडिंग सेंटर बनना केवल पर्यावरणीय उपलब्धि नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। चीतों की बढ़ती संख्या के साथ यहां वाइल्डलाइफ टूरिज्म की संभावनाएं कई गुना बढ़ गई हैं। इससे श्योपुर और आसपास के जिलों में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं के लिए नई संभावनाएं खुल रही हैं।

17 सितंबर 2022: प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नामीबिया से आए 8 चीतों को कूनो में छोड़ा, यह दुनिया का पहला अंतरमहाद्वीपीय बिग प्रेडेटर स्थानांतरण पुनर्स्थापना प्रोजेक्ट था। फरवरी 2023: दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते आए।

मार्च 2023: ज्वाला ने 70 वर्षों बाद भारत में पहले शावकों को जन्म दिया।

2024: आशा और गामिनी जैसी मादा चीतों ने नई पीढ़ी को जन्म दिया, जिसमें गामिनी ने एक साथ 5 शावकों का रिकॉर्ड बनाया।

कड़कड़डूमा कोर्ट की महिला वकील पर जानलेवा हमले का सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाली महिला वकील मधु राजपूत पर उनके पति द्वारा जानलेवा हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर घटना का स्वतः संज्ञान लिया और तुरंत सुनवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण आदेश जारी किए। आरोप है कि 24 अप्रैल की रात को पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला वकील पर तलवार जैसी धारदार हथियार से हमला किया। हमले में उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। हमले के बाद उन्हें उनके सोनिया विहार स्थित ऑफिस में बंद कर दिया गया, जिससे इलाज में

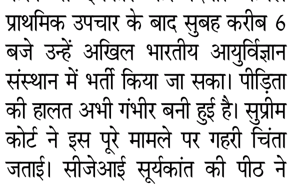

देरी हुई। तीन अस्पतालों ने उन्हें भर्ती करने से इनकार कर दिया। केवल प्राथमिक उपचार के बाद सुबह करीब 6 बजे उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती किया जा सका। पीड़िता की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले पर गहरी चिंता जताई। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि अस्पतालों द्वारा इलाज से इनकार करना बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पीड़िता की दो नाबालिग बेटियों का पता लगाएं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। फिलहाल बड़ी बेटी को उसके नाना-नानी की कस्टडी में ही रहने दिया जाएगा। अदालत ने जांच अधिकारी को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच करने और जल्द से जल्द स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। पीड़िता की गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को निर्देश दिया कि वह पीड़िता के इलाज और उनकी बेटियों की देखभाल के लिए अंतरिम वित्तीय सहायता राशि कल तक जारी कर दे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पीड़िता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि महिला वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट वीमेंस लॉयर्स एसोसिएशन ने भी हमले की निंदा की और पीड़िता को हरसंभव मदद देने की मांग की है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहे। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव

रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद.

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान),शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा.

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का किया सूपड़ा साफ, थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

US ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया।

इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा भूपति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंडिका रामाडियांस्या और एफ़्रैम स्टीफ़न सैम को 21-12, 21-10 से हराया जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

आईपीएल में ऑरेंज कैप की सूची में अभिषेक, पर्पल कैप की सूची में अंशुल शीर्ष पर

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। इसके बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 380 रनों के साथ ही शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 330 रन बनकार पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में हर मैच के साथ बदलाव आ रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पाँच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शुभमन 330 रन बनाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पाँच में अन्य बल्लेबाजों में केएल राहुल और वैभव सूर्यवंशी दोनों 357 रनों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि हेनरिक क्लासेन 349 रनों के साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इससे साफ है कि ऑरेंज कैप की दौड़ में कड़ा मुकाबला जारी है। दूसरी ओर गेंदबाजों के लिए पर्पल कैप की टक्कर और भी रोमांचक हो गई है। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही इस दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। उन्होंने 14 विकेट लेकर सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा 14 को पीछे छोड़ दिया है, हालांकि दोनों गेंदबाजों के विकेटों की संख्या समान है। मुम्बई इंडियंस के जोफ्रा आर्चर 13 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 13 लेकर शीर्ष पाँच में प्रवेश कर लिय है, वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी कगिसो रबाडा 13 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है।

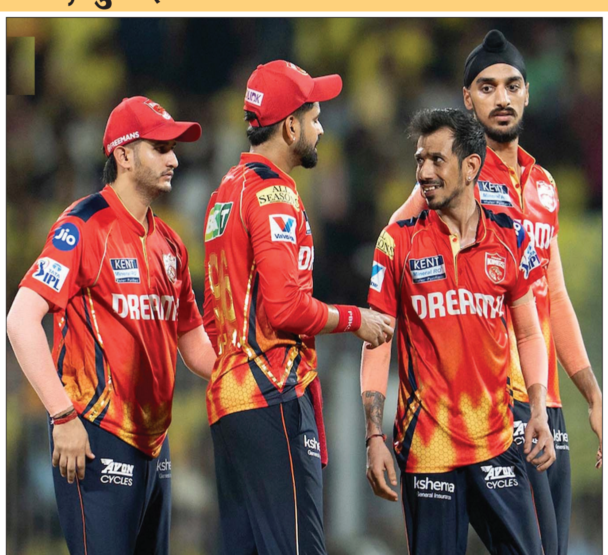

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

रहाणे ने जीत का श्रेय रिंकू की पारी को दिया

नई दिल्ली (ईएमएस) । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) कप्तान आजिंग्य रहाणे ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है । रहाणे ने इस जीत का श्रेय रिंकू सिंह की धमाकेदार बल्लेबाजी को दिया है । रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी ने मैच बदल दिया । उसके कारण ही उनकी टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची । रिंकू ने इस मैच में एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 83 रनों की पारी खेली । इससे अंक तालिका में केकेआर पहली बार एक स्थान ऊपर आयी है । मैच के बाद जब रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी से अंतर आया। रहाणे ने कहा कि रिंकू ने जिस प्रकार से 16 ओवर के बाद बल्लेबाजी की है उससे मैं बेहद खुश हूं ।उसकी पारी ने सब बदल दिया। जिस प्रकार उसने अंतिम ओवर में रन बटोरे उससे ही हम मैच में वापस आये । वहीं पिच की सराहना करते हुए रहाणे ने कहा, हमने यहां मुश्ताक अली खेला था और जिस पिच पर हमने खेला वह मुश्ताक अली जैसी ही थी। इसलिए हमने सोचा कि जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो इस विकेट पर 160, 170 बहुत अच्छा लक्ष्य होगा, लेकिन हमारी टीम पावर प्ले में रन नहीं बनाने के कारण पिछड़ गयी । उन्होंने कहा कि हमारे गेंदाबाजों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की ।

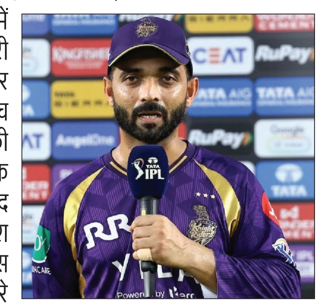

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है । कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है । वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी । जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे । कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं । उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है । साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये । वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था । कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है । इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की भी पिटाई की थी । कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों । पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा । उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है ।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है । वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं । कैफ ने कहा , वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो । गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं । इसके अलावा, 15 साल की उम्र में दिमाग शांत बने रहना उसका एक दुर्लभ गुण हैया । वह इसी प्रकार खेलता रहे तो भारतीय क्रिकेट को दो शतक के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज मिल जाएगा ।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

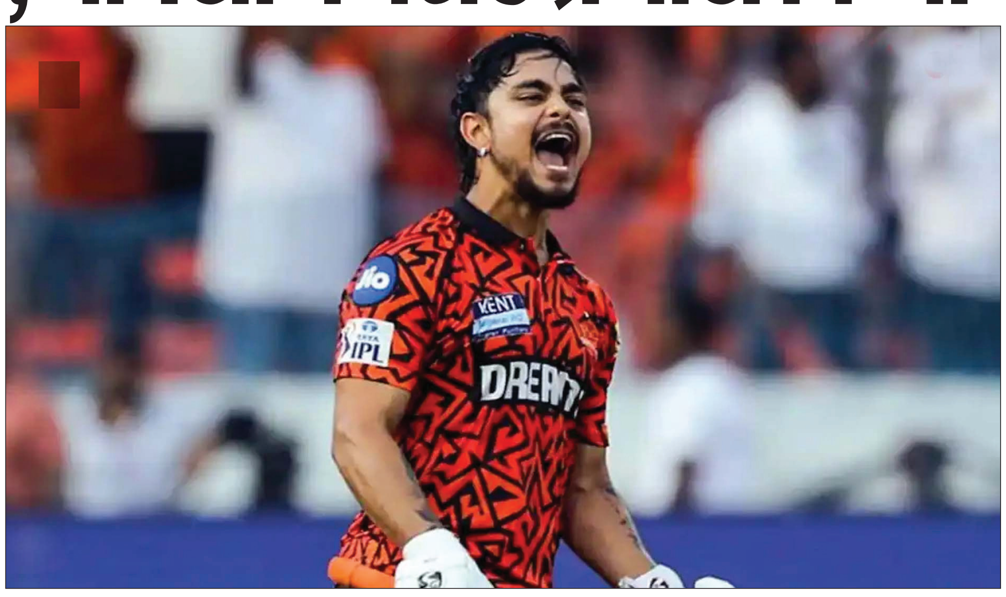

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं मीराबाई चानू

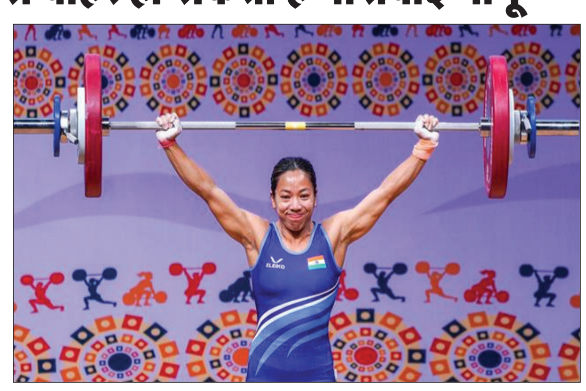

नई दिल्ली । भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी । तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी । इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी । यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं ।' भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है । मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 31 साल की मीराबाई ने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा और 116 किग्रा) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था । मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी जिसके बाद अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेले 2026 के लिए वह अपना वजन बढ़ाकर 53 किग्रा वर्ग में आ जाएंगी । एशियाई खेल ही एकमात्र ऐसा बड़ा टूर्नामेंट है जिसमें मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने अभी तक कोई पदक नहीं जीता है। साथ ही यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी होगा। एशियाई चैंपियनशिप मूल रूप से एक से 10 अप्रैल तक होनी थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे एक महीने से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था । यह संघर्ष अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों से शुरू हुआ था । यह पहली बार होगा जब भारत सीनियर महाद्वीपीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा ।

'उसे लैब में टेस्ट करवाओ', वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में बोले पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट नियाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के बच्चे के लिए क्रिकेट बॉल को उस तरह से मारना आम बात नहीं है जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी मार रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन की शुरुआत से ही सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे हैं। वह रन बनाने वालों की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने की कोशिश भी कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि सीजन के आखिर में ऑरेंज कैप उनकी होगी। पाकिस्तान के एक शो में क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज ने मजाक में कहा कि राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनिंग बल्लेबाज के अंदर एक AI चिप लगी हुई है क्योंकि वह जिस आसानी से छक्के मार रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा ही लगता है, जबकि वह अभी टीनएजर ही हैं।

नियाज ने एक वीडियो में कहा, 'यह लड़का है क्या बला ! जैसे WADA डोपिंग टेस्ट करता है, वैसे ही इसे भी किसी लैब में भेजना चाहिए, शायद इसके अंदर कोई AI चिप लगी हुई है। यह बिल्कुल ही अविश्वसनीय है, यार। मेरा मतलब है, मुझे इससे बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। क्या जबरदस्त खिलाड़ी है यह।' नियाज ने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (SRH के खिलाफ) थोड़ा धीमा खेला, उसका स्ट्राइक-रेट 300 होना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, 'ठीक है तो मेडिकल तौर पर, जब आप 18 साल के होते हैं, तो आपका पूरा शरीर आकार लेना शुरू करता है। आपके कंधे गोल हो जाते हैं, मांसपेशियां बनती हैं, ट्राइसेप्स, बाइसेप्स और आपका कोर मजबूत होता है, क्योंकि उस समय आपके शरीर में हॉर्मोन और टेस्टोस्टेरोन का स्तर अपने चरम पर होता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले सालों में सूर्यवंशी का विकास और कितना ज्यादा हो सकता है।

पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट ने सूर्यवंशी की उन खूबियों के बारे में भी बात की, जो उन्हें बाकी सबसे अलग बनाती हैं। नियाज ने कहा, 'वह 16 साल का है। जब वह पैदा हुआ था, तब विराट कोहली पहले से ही वर्ल्ड चैंपियन बन चुके थे। वह पहले ही जीत चुके थे। अब आप उसमें क्या देखते हैं? मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि यह फर्क क्यों है। ठीक है, उसके पास बहुत ज़्यादा तकनीक नहीं है। यह उसकी ताकत नहीं, बल्कि उसकी तकनीक है (जो उसे इस तरह खेलने में मदद करती है)। खेलते समय उसकी कलाई का इस्तेमाल और उसका आर्क, ये दोनों ही बड़े फैक्टर हैं।''

सूर्यवंशी IPL 2026 सीज़न में सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 8 मैचों में कुल 357 रन बनाए हैं। इस सीजन में वह अब तक एक शतक और तीन अर्धशतक बना चुके हैं और उसका स्ट्राइक रेट 234 से भी ज्यादा है।

बीसीसीआई ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए केकेआर के अंगक्रिश पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के उभरते हुए बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पर जुर्माना लगाया है । अंगक्रिश पर ये जुर्माना केकेआर को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली जीत के बाद लगाया गया। बोर्ड की आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने इस बल्लेबाज पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, उन्हें लीग उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस बल्लेबाज पर ये कार्रवाई उसकी उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए की गयी है। बीसीसीआई की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि अंगक्रिश को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 अपराध का दोषी पाया गया है । यह क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदान उपकरण आदि के दुरुपयोग से संबंधित है । अंगक्रिश ने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना गया । गौरतब है कि यह मामला तब का है जब तीसरे अंपायर के आउट दिए जाने के बाद अंगक्रिश ने आपा खो दिया और पवेलियन लौटते समय बल्ले से बाउंड्री कुशन पर मारा और अपना हेलमेट भी जमीन पर फेंक दिया । उनकी यह प्रतिक्रिया खेल भावना के विपरीत मानी गई और इसी के चलते उन पर यह जुर्माना लगाया गया है । गौरतलब है कि ये यह पूरा विवाद केकेआर की पारी के पांचवें ओवर का है । तब इस बल्लेबाज ने प्रिंस यादव की गेंद पर शॉट खेला और तेजी से एक रन लेने के लिए दौड़े ।

'भूत बंगला' की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रैंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

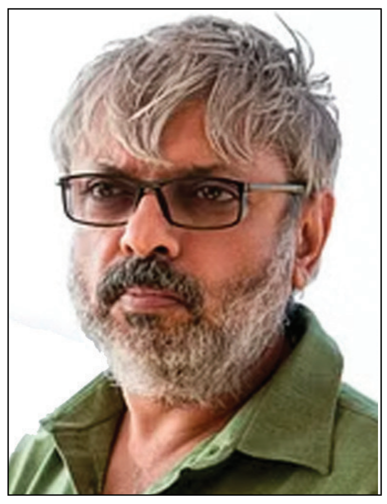

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

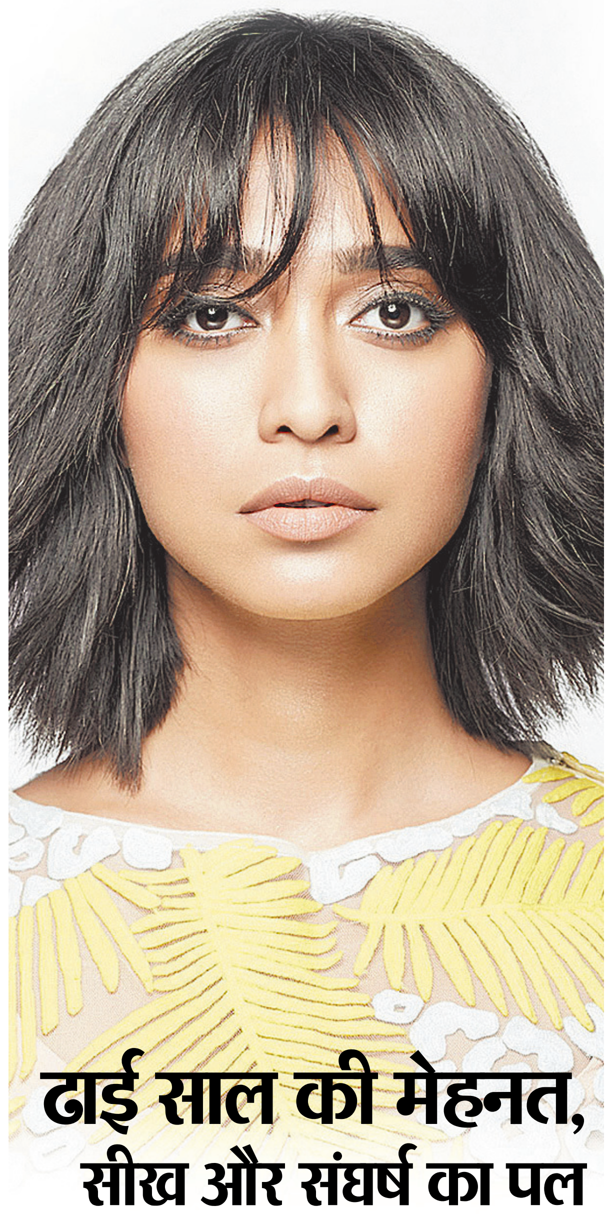

ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है 'आसमानी' का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान जल्द ही फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करने वाले हैं। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आई थीं कि इमरान बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं। बीते दिनों इस बायोपिक से आमिर खान के भी छुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब इमरान खान ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और खबरों के पीछे की सच्चाई से रूबरू करवाया है।

इमरान ने अफवाहों को किया खारिज

इमरान खान ने अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम करने की खबरों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने कहा कि मैंने इस परियोजना के बारे में सुना तक नहीं है। यह सच नहीं है। इस प्रतिक्रिया के साथ ही इमरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं इमरान की प्रतिक्रिया के बाद अब प्रोजेक्ट के अस्तित्व को लेकर भी संदेह पैदा हो रहा है।

आमिर के फिल्म से जुड़ने की थीं खबरें

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की बायोपिक बन रही है। इस बायोपिक से आमिर खान के जुड़ने की भी खबरें सामने आई थीं। खबरों में ऐसा दावा किया गया था कि आमिर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। यानि वो अशनीर ग्रोवर की भूमिका में ही नजर आ सकते हैं। साथ ही ये बताया गया था कि फिल्म को राहुल मोदी निर्देशित कर सकते हैं। उनके द्वारा ही फिल्म की कहानी भी लिखी जाने की खबरें सामने आई थीं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन अब इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट को लेकर साफ तौर पर इनकार कर दिया है। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर, शार्क टैंक इंडिया में निवेशक के रूप में आने के बाद बेहद लोकप्रिय हो गए।

इस फिल्म से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे इमरान

वहीं इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे समय बाद 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर के प्रमुख भूमिका में नजर आने की संभावना है। इमरान खान आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी।

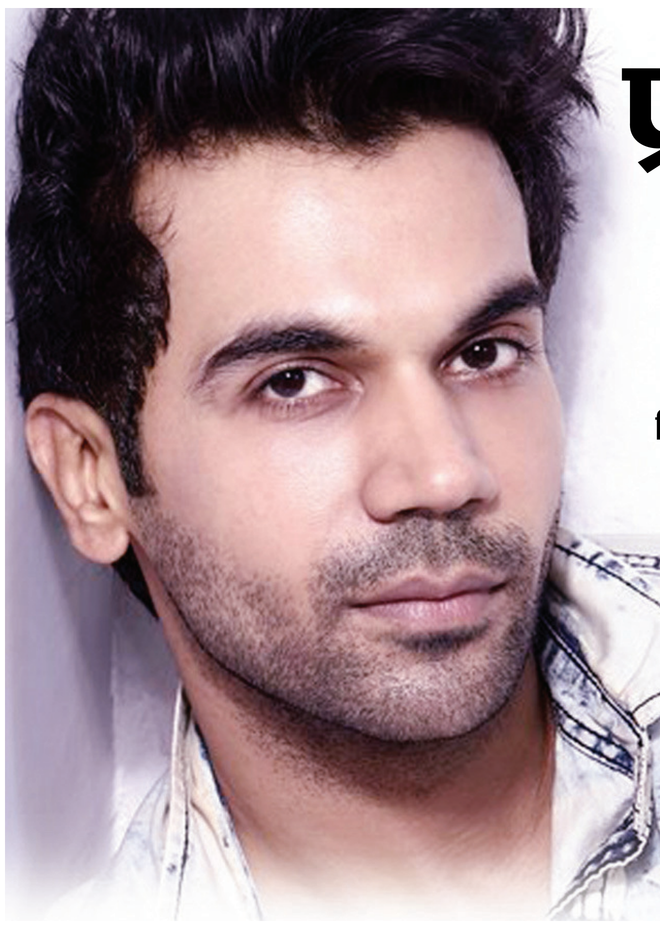

प्रोड्यूसर बनना आसान नहीं

अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आए हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ राजकुमार राव ने बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। इस फिल्म को उन्होंने अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जो एक मिडिल क्लास कहानी को कॉमेडी, मिस्ट्री और थ्रिल के साथ दिखाती है। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राजकुमार राव ने प्रोड्यूसर बनने के अनुभव, दोस्ती, शादी की यादों और फिल्म की खासियतों पर खुलकर अपनी बात रखी।

प्रोड्यूसर बनने का अनुभव कैसा रहा और आपने क्या नया सीखा?

मुझे लगता है कि यह मुझे मजबूत बनाने वाला अनुभव है। क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा काम है, बहुत मेहनत है। प्रोड्यूसर होना आसान नहीं है। मैं यही सोचता रहा कि पत्रलेखा ने यह सब कैसे मैनेज किया, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता था कि प्रोड्यूसर का काम बहुत आसान होता होगा। एक बार आपने टीम सेट कर दी, उसके बाद सब हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। चौबीसों घंटे हर दिन आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। छोटे भी और बड़े भी। लगातार बातें करनी होती हैं, मीटिंग करनी होती है, बहुत सारा पेपरवर्क होता है। हर चीज के लिए हजारों लोगों से संपर्क रखना पड़ता है, तो काम बहुत ज्यादा होता है। चूंकि, हम दोनों अभिनेता हैं, इसलिए हमें क्रिएटिव चीजों पर भी ध्यान देना पड़ता है। एडिट कैसा जा रहा है, डीआई कैसा जा रहा है, साउंड कैसा सुनाई दे रहा है? हर चीज देखनी पड़ती है

पर्दे पर कंजूस किरदार और असल जिंदगी में प्रोड्यूसर, कहीं पैसों का खास ख्याल रखने की प्रैक्टिस तो नहीं चल रही?

यह बिल्कुल एक संयोग है। इसका असल जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। (हंसते हुए) हम लोग असल जिंदगी में बिल्कुल अलग हैं, कंजूस तो बिल्कुल नहीं है। बल्कि हम तो ऐसे प्रोड्यूसर हैं जो चाहते हैं कि सेट पर लोगों को बहुत अच्छा खाना मिले, सबको समय पर खाना दिया जाए। हम खुद इतने साल से अभिनेता हैं, इसलिए हमें ठीक से पता है कि सेट पर किन चीजों से लोगों को दिक्कत होती है, क्या परेशानियां होती हैं। अगर लोग शिकायत करते हैं तो हम चाहते हैं कि ऐसा न हो। अगर कोई बात हम तक पहुंचे तो हम उसे तुरंत ठीक करें, क्योंकि हमें खुद पता है कि क्या सही है और क्या गलत।

बतौर प्रोड्यूसर आपने अपनी पहली फिल्म के लिए डार्क कॉमेडी ही क्यों चुनी?

ऐसा कुछ नहीं था। यह पहली चीज थी जो हमारे पास आई थी। इससे पहले भी हमने कुछ और चीजें पढ़ी थीं, लेकिन यह हमें क्लिक हुई। इसे पढ़कर बहुत मजा आया। इसके किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प हैं। हम हमेशा से यही चाहते थे कि यह फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए बने। हमें लगा कि इस ओटीटी प्लेटफार्म पर वहां कॉमेडी कम है, तो यह वैसी फिल्म हो सकती है जिसे ऑडियंस खूब पसंद करें। इसमें एक मिडिल क्लास सोसायटी की कहानी है, जिसे बहुत ही मजेदार तरीके से दिखाया गया है। कहानी बहुत रियल है, जो इंडियन फॅमिली से जुड़ी हुई है। सब कुछ बहुत फन तरीके से दिखाया गया है। यह एक अलग तरह की फिल्म है, जिसमें मिस्ट्री भी है, थ्रिल भी है और कॉमेडी भी है।

लीडर बनोगे या पोजीशन होल्डर?

अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है।

आईआईएम कोझिकोड के निदेशक देबाशीष चटर्जी ने अपनी हालिया किताब 'द अदर 99' में लीडरशिप के जटिल मुद्दों को उठाया है। एक लीडर और एक पोजिशन होल्डर के बीच के अंतर पर यह किताब खास जोर देती है। किताब कहती है कि अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है। इस भूमिका में एक नेता जीवन को वह लौटा रहा होता है, जो उसे जीवन से मिला है। अपने योगदान से वह अपने साथ के लोगों को विकसित करने और उन्हें अपना प्रकाश ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पोजिशन होल्डर की तुलना में एक लीडर का काम स्व-सेवा के दायरे से निकल कर बड़े स्तर पर काम को प्रभावित करना होता है। अक्सर हम अपनी ऊर्जा काम की जगह काम के बारे में बोलने में खर्च करते हैं। आईबीएम के सीईओ लो गर्स्टनम ने कहा है, मैं हरेक काम को बिना बोले अंजाम देने में यकीन रखता हूं। जब काम सब कुछ कह रहा हो, तो बोलकर उसमें बाधा डालने की जरूरत क्या है? जब काम कर रहे हों, तो पूरा ध्यान काम पर ही लगाएं। जैसे, जब आप चल रहे हों, तब केवल चलें और अपने पैरों का सतह के साथ संपर्क अनुभव करें। आपको अपने पैर ऊर्जा के केंद्र प्रतीत होंगे। अन्य कार्यों में भी ऐसा करके आप अपने कामों को गति दे सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना है। हारवर्ड के एक शोध के अनुसार जो लोग बिना किसी लोभ के दूसरों की मदद करते हैं, उनमें ऊर्जा का स्तर अधिक होता है। दूसरों की मदद करके हम अपनी सीमाओं में विस्तार कर पाते हैं। कार्यों में गैर जरूरी और बेतरतीब कामों को नोट करके रखें। काम के दौरान गॉसिपिंग एक ऐसा ही कार्य है, जिससे काम में भी कोई मदद नहीं मिलती और मूर्खतापूर्ण बातों में समय और ऊर्जा भी व्यर्थ होते हैं। अपनी ऊर्जा को गैर-जरूरी कामों से निकाल कर जरूरी कामों में निवेश करें। कब विराम लगाना है, यह जानना भी जरूरी है। एक सीमा के बाद कार्य पर से ध्यान हटाना भी जरूरी होता है, क्योंकि हरेक चीज की अपनी रफ्तार होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं होता। आपका अतिरिक्त प्रयास उसमें गति नहीं देता। जैसे दफ्तर के लिए बस में बैठने के बाद बार-बार ड्राइवर को ऑफिस पहुंचने का निर्देश देना जरूरी नहीं होता।

पूंजी-बाजार की पकड़ देगी अच्छा रिटर्न

बीएफएसआई यानी बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस, ऐसा सेक्टर है जो गतिशील होने के साथ-साथ विविधता भरा है। यहां सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए, एमएफआई/आईआरडीए जैसे सर्टीफिकेटधारियों की अच्छी मांग तो है ही, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल प्लानिंग या सीएफपी वालों को भी खासी वरीयता दी जा रही है। रिसर्च में भी अवसरों की कमी नहीं है।

बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में आए सुधार ने इन क्षेत्रों के जानकारों की मांग बढ़ा दी है। यही नहीं, बैंकिंग कंपनियों के आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स की तेजी ने आईटी कंपनियों में भी वित्तीय समझ रखने वाले प्रोफेशनल्स की उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। आईटी और एफएमसीजी की ओर रुख कर रहे छात्र एक बार फिर बीएफएसआई में कैरियर की अच्छी संभावनाएं देखने लगे हैं। बीएफएसआई क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को इस बात से समझा जा सकता है कि फिलहाल देश के 40 प्रतिशत लोग ही बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। छह लाख से अधिक गांव ऐसे हैं, जहां बैंक अभी तक नहीं पहुंचे हैं और कुल 38 प्रतिशत बैंक शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। बैंक और वित्त मामलों के जानकार वीके सूरी के अनुसार 'इसमें दोराय नहीं कि बैंकिंग, वित्त और इंश्योरेंस सुविधाओं में हो रहे विस्तार से ग्रामीण क्षेत्र बहुत दिनों तक अछूते नहीं रहेंगे। दिनोंदिन फैल रहा इनका नेटवर्क टॉप बी-स्कूलों के प्रोफेशनल्स के साथ वित्तीय मामलों की समझ रखने वाले सामान्य कॉमर्स ग्रेजुएट्स और आईआरडीए/एएमएफआई सर्टीफिकेट कोर्स करने वालों युवाओं के लिए भी नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेगा। बीएफएसआई एक गतिशील क्षेत्र है। यहां सभी स्तर पर रोजगार के अवसर हैं, बशर्ते आप इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखें। एक पेड़ जितना बाहर से बड़ा और मजबूत होता है, उतनी ही उसकी जड़ें भीतर भी फैली होती हैं। इसी कारण इस क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए फ्रेशर्स को प्रारंभ में पैसे से अधिक अनुभव और जानकारी अर्जित करने पर फोकस रखना चाहिए।

हायरिंग ट्रेंड्स

बीएफएसआई एक सदाबहार क्षेत्र है, जिनके जानकारों की मांग सभी क्षेत्रों में होती है। इस इंडस्ट्री में काम करने वालों के लिए इतने अधिक अवसरों की उपलब्धता इससे पहले कभी नहीं रही। जॉब मार्केट में भी

लचीलापन है और सभी स्तरों पर रोजगार के अवसर हैं। एक अनुमान के अनुसार इस वित्त वर्ष में बीएफएसआई में लगभग 65 हजार से अधिक नई नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे।

खुद को करें तैयार

सूचना तकनीक की भूमिका बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में ढांचागत परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे विस्तार तथा इंटरनेशनल ट्रेड में बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग को बढ़ाएगी। रवि राव कहते हैं, 'भारतीय निर्यात यदि 15 प्रतिशत की सालाना दर से भी बढ़ता है तो विदेशी विनिमय से जुड़े कारोबार में प्रोफेशनल्स की मांग बड़े स्तर पर होगी।' क्रेडिट सेवाओं का दायरा भी लगातार मजबूत हो रहा है। विभिन्न फाइनेंशियल कंपनियां इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं। ब्रोकरेज व कंसल्टिंग फर्मों में पोर्टफोलियो मैनेजरों की मांग और बढ़ेगी।

इन स्किल्स की दरकार

बीएफएसआई, आर्थिक लेन-देन और हिसाब-किताब से जुड़ा क्षेत्र है, इसी कारण यह संवेदनशील भी है। कैरियर काउंसलर के अनुसार 'निवेश सलाह देने वाली कंपनियां बाजार में तेजी से बढ़ रही हैं। इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए वित्त मामलों की समझ होना जरूरी है। लोगों की जरूरत को समझकर उनकी निवेश पूंजी में वृद्धि करने का गुण उम्मीदवार में अवश्य होना चाहिए। इसलिए कॉमर्स ग्रेजुएट्स या पोस्ट ग्रेजुएट्स, बैंकिंग और फाइनेंस में एमबीए, साथ ही एएमएफआई/आईआरडीए जैसा सर्टीफिकेशंस रखने वालों की खासी मांग रहती है।

सहकर्मियों और बॉस को अपना मुरीद बनाना चाहते हैं तो विषय के साथ प्रभावी बातचीत करने के गुर सीखने पर भी जोर दें। वर्कप्लेस पर आपकी बातचीत तनाव का कारण न बने, इसके लिए समय, स्थान और व्यक्ति को ध्यान रखना जरूरी होता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 'चलता है' एटीट्यूड महंगा पड़ता है।

वर्कप्लेस पर बोलें जरा संभलकर

नितिन एक सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, उन्हें नौकरी करते हुए अभी डेढ़ साल ही बीता है। इस दौरान वे चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर अलग-अलग टीमों के साथ काम कर चुके हैं। इस वर्ष उन्हें प्रमोशन भी मिली, साथ में अच्छी परफॉरमेंस के कारण कंपनी ने उन्हें बेस्ट एंप्लॉई की सूची में रखते हुए दो बड़े मॉल्स से पांच-पांच हजार की शॉपिंग के गिफ्ट वाउचर भी दिए। नितिन की इस तरक्की में उनकी तकनीकी समझ के साथ अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स की भी खासी भूमिका रही है। नितिन कहते हैं, 'मेरे अप्रेजल फॉर्म में सीनियर बॉस ने फीडबैक में लिखा कि मैं सीनियर्स व टीम के सदस्यों के साथ शालीनता से पेश आता हूं। नए काम के बारे में मेरी सोच सकारात्मक होती है और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण मुझे दूसरे सेंटर्स पर भी क्लाइंट्स से बातचीत के लिए भेजा जा सकता है।' एस्पायर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट के ईवीपी आलोक जैन कहते हैं, 'वर्कप्लेस पर उम्मीदवार की प्रभावी बातचीत का ढंग दूसरे कर्मचारियों में उम्मीदवार की अच्छी साख बनाता है। स्किल्स से आशय है कि आप दूसरे पक्ष तक बिना किसी उलझन के अपनी बात सही रूप में पहुंचाएं। नियम है कि जैसी आपकी बात होती है, वैसी ही आपको प्रतिक्रिया मिलेगी।' पर्सनैलिटी एन्हैंसर रीता गंगवानी कहती हैं, 'वर्कप्लेस पर प्रभावी कम्युनिकेशन के दो सूत्र हैं। पहला, अपनी बात बोलने के साथ दूसरों की बात को सही ढंग से सुनें। बात को समझने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया दें। दूसरा, बात करते समय सही स्थान और समय का ध्यान रखें। कौन सी बात सहकर्मियों के समक्ष बोलनी है, मीटिंग में किस बात को कैसे रखना है आदि। खुले में सीनियर की बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है, इसे ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर की गलत बात पर तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया न दें। अपनी बात सुझावात्मक ढंग से रखें। यदि बॉस आपसे बहुत खुल कर बातचीत करते हैं तो भी आप अपनी सीमाओं में रहें।' कैरियर काउंसलर जितिन कहते हैं, 'विभाग और टीम के सदस्यों के साथ इंटर्नल तथा कस्टमर और क्लाइंट के साथ एक्सटर्नल कम्युनिकेशन दोनों ही मायने रखते हैं। आईटी, बीपीओ, रिटेल या टूरिज्म जैसे सेवा क्षेत्रों में इंग्लिश कम्युनिकेशन की एक खास भूमिका होती है। आमतौर पर तकनीकी पृष्ठभूमि से जुड़े युवा और शैक्षिक संस्थानों में कम्युनिकेशन पहलू पर महत्व नहीं देते, जो अंतत: उम्मीदवार की रोजगार योग्यता को कम कर देता है। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। सीनियर के साथ एसएमएस या ई-मेल से बात करते समय अपने लिखे हुए को अच्छी तरह अवश्य पढ़ लेना चाहिए। स्पैलिंग और ग्रामर के साथ अपनी शैली पर भी ध्यान दें।'

हर स्तर पर काम आती है कम्युनिकेशन स्किल

जॉब मार्केट में उतरते ही प्रोफेशनल व्यवहार और बातचीत का ध्यान रखना जरूरी होता है। रिज्यूम और इंटरव्यू में तो रिक्रूटर्स उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल्स को परखते ही हैं, काम के दौरान भी कम्युनिकेशन स्किल काफी मायने रखती है। रिज्यूम और इंटरव्यू के दौरान विनम्र और सकारात्मक रुख से बात करें। सीनियर स्तर पर अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। ई-मेल से कम्युनिकेट करते समय उसकी ड्राफ्टिंग कंपनी की कार्य संस्कृति ध्यान में रखकर करें, जैसे वरिष्ठ को नाम से संबोधित कर सकते हैं या नहीं, आदरसूचक शब्दों के तौर पर वहां क्या इस्तेमाल करते हैं आदि। अक्सर फ्रेशर्स सीधे ही बात लिख देते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। बॉस के स्वभाव को ध्यान में रखें। कर्मचारियों की लेखन क्षमता जानने के लिए कंपनियां शुरुआत में उनकी रुचियों या संस्थान को ज्वॉइन करने के उद्देश्य के संबंध में लिखित में नोट लेती हैं, जिससे उम्मीदवारों की वॉकेबुलरी, वाक्य संरचना और संक्षेप में बात प्रस्तुत करने की योग्यता का पता लगाना आसान हो जाता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में चलता है नहीं चलता।